कोटद्वार, गुरूवार
4 दिसम्बर 2025
वर्षः 48
अंकः 198 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

दिल्ली–यमुनोत्री हाईवे पर नाला बना आफत

विकासनगर। विकासनगर में दिल्ली–यमुनोत्री हाईवे पर अंबाड़ी से लक्ष्मणपुर तक एनएच की ओर से बनाया गया नाला लोगों के लिए आफत बना हुआ है। एनएच ने कई जगह पर तो नाले को ढक दिया है। लेकिन आबादी वाले इलाके में कई जगह नाले को खुला छोड़ दिया गया है। खुला पड़ा नाला यहां लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। इसके साथ ही यह नाला जब से बना हुआ है, तब से लेकर आज तक सफाई नहीं हुई है। इससे पूरा नाला कूड़े और गंदगी से भरा पड़ा है। सफाई न होने के कारण नाले से दुर्गंध उठती है, इससे लोग परेशान हैं। कूड़े से भरा होने के कारण बरसात में यह नाला ओवरफ्लो हो जाता है। इससे पूरा गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है। स्थानीय लोग नाले को पूरी तरह से कवर करने और समय–समय पर इसकी सफाई की मांग लगातार उठाते हैं, लेकिन न तो एनएचएआई और न ही जिला प्रशासन इस और ध्यान दे रहा है। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आवासीय क्षेत्रों में कई जगह खुला नाला बना हुआ है खतरा दरअसल, अंबाड़ी से लक्ष्मणपुर के बीज बना नाला पहले पूरी तरह से खुला था। लेकिन जैसे–जैसे सड़क किनारे लोगों ने दुकानें और मकान बनाने शुरू किए तो कुछ जगह तो लोगों ने अपने सुविधा के अनुसार खुद ही नाले के ऊपर स्लैब डाल दिए। कुछ जगहों पर खुद एनएच की ओर से भी नाले के ऊपर स्लैब डाले। लेकिन कई जगह नाले के ऊपर स्लैब नहीं है। नाले के यह खुले स्थान लोगों और बच्चों के लिए खतरा बने हुए हैं। लोग कई बार आवासीय क्षेत्र में नाले को पूरी तरह से कवर करने की मांग कर चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी कोई सुध लेने को तैयार नहीं है। लक्ष्मणपुर के बाद नाले की कोई निकासी नहीं हाईवे पर बना नाला लक्ष्मणपुर तक ही बना हुआ है। यहां से आगे बाजार की तरफ नाले को अधूरा छोड़ दिया गया है। यहां हालांकि नाले को कैनाल रोड की तरफ मोड दिया गया है। जबकि बाजार की तरफ नाले की कोई निकासी नहीं है। नाले की निकासी न होने पर हर बरसात में यहां पानी भर जाता है।

मुख्यमंत्री आज पहुंचेंगे मेडिकल कॉलेज, तैयारियां पूरी

रुद्रपुर। मेडिकल कॉलेज के संस्थापक और स्वतंत्रता सेनानी पंडित राम सुमेर शुक्ला की 48वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनके आगमन को लेकर मेडिकल कॉलेज प्रशासन और जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बुधवार को अधिकारियों की टीम ने कॉलेज पहुंचकर सुरक्षा, वीआईपी प्रवेश, मंच और बैठने की व्यवस्था सहित समग्र तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, एसपी क्राइम निहारिका सिंह तोमर, सीडीओ दिवेश शाशनी, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल, सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल और पीएमएस डॉ. आरके सिन्हा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। कॉलेज में स्टेज, टेंट, कार्यक्रम स्थल की साफ–सफाई व वार्डों में व्यवस्था सुधारने के कार्य तेजी से जारी हैं। अधिकारियों ने कार्यक्रम को व्यवस्थित और सफल बनाने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्रस्तावित है।

इंग्लैंड भेजने के नाम पर किसान से 4.30 लाख की ठगी

रुद्रपुर। बेटे को विदेश भेजने का झांसा देकर किसान से 4.30 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। बुधवार को गदरपुर निवासी पीड़ित किसान ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। ग्राम खुशालपुर सकैनिया, गदरपुर निवासी बचन सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे को पढ़ाई के लिए इंग्लैंड भेजने के उद्देश्य से बिलासपुर निवासी दो एजेंटों से संपर्क किया था। एजेंटों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि उनका बेटा उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड भेज दिया जाएगा और इसके बदले कुल 16 लाख रुपये की मांग की। विश्वास करते हुए बचन सिंह ने 9 फरवरी 2025 को चार लाख रुपये नकद और 8 मार्च 2025 को तीस हजार रुपये ऑनलाइन भुगतान कर दिया। आरोप है कि भुगतान के बाद न तो स्टडी वीजा उपलब्ध कराया गया और न ही किसी प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

सोनिया गांधी ने मोदी सरकार को लिया आड़े हाथ

●कहा– पहाड़ियों के लिए डेथ वॉरंट है यह

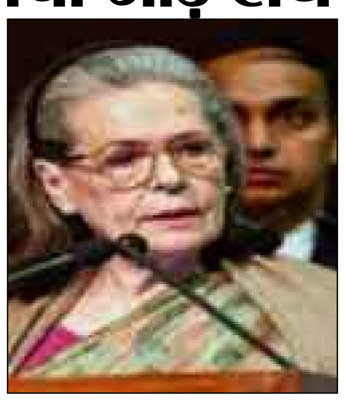

नई दिल्ली,देश की राजधानी दिल्ली और उससे सटे इलाकों में प्रदूषण का प्रकोप जारी है. हर कोई इससे परेशान और त्रस्त है. इसी सिलसिले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने मोदी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए एक लेख लिखा है. इस लेख के जरिए उन्होंने अरावली की पहाड़ियों से लेकर एयर और जल प्रदूषण पर गहरी चिंता जताई है. उन्होंने अपने लेख में अरावली को अवैध खनन (100 मी. से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन की छूट मिली है) से जो क्षति पहुंच रही है, उसे माफियाओं के लिए न्योता देना बताया. वहीं, सोनिया गांधी ने इसे पहाड़ियों के लिए डेथ वॉरंट तक कहा है. बता दें, देश की सर्वोच्च अदालत ने पिछले महीने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों की केंद्र की परिभाषा को मानते हुए कहा कि इस रेंज में 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली कोई भी पहाड़ी माइनिंग के खिलाफ सख्ती के दायरे में नहीं आएगी. कांग्रेस पार्टी ने एक दैनिक समाचार पत्र में सोनिया गांधी के लेख का एक हिस्सा शेयर किया.

सोनिया ने लेख में लिखा कि अरावली रेंज, जो गुजरात से राजस्थान होते हुए हरियाणा तक जाती है, ने लंबे समय से भारतीय भूगोल और इतिहास में अहम भूमिका निभाई है. मोदी सरकार ने अब इन पहाड़ियों के लिए लगभग डेथ वारंट पर साइन कर दिया है, जो पहले से ही गैर–कानूनी माइनिंग से खाली हो चुकी हैं. उन्होंने आगे लिखा कि यह गैर–कानूनी माइनर्स और माफियाओं के लिए सरकार द्वारा तय की गई ऊंचाई की लिमिट से नीचे की 90 परसेंट रेंज को खत्म करने का खुला न्योता है.

बीजापुर में भीषण मुठभेड़: 12 माओवादी ढेर, डीआरजी के तीन जवान शहीद

बीजापुर, बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादी आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। अब तक हुई कार्रवाई में कुल 12 माओवादी कैडरों के शव बरामद किए गए हैं। मौके से भारी मात्रा में हथियार भी जब्त किए गए हैं, जिनमें एसएलआर राइफलें, आईएनएसएएस राइफलें और .303 राइफलें शामिल हैं। मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी के तीन जवान शहीद हुए हैं। शहीदों के नाम इस प्रकार हैंः प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी, आरक्षक दुकारू गोंडे और जवान रमेश सोड़ी। इसके अलावा, दो जवान घायल हुए हैं, जो खतरे से बाहर हैं और इलाज के अंतर्गत हैं।

सुरक्षा बल क्षेत्र में लगातार सर्च ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं। अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है और क्षेत्र को घेरकर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा विभाग ने बताया कि ऑपरेशन पूरी तरह से समाप्त होने के बाद विस्तृत जानकारी मीडिया के माध्यम से साझा की जाएगी।

अर्धसैनिक बल के जवान वीरता, साहस और देशभक्ति के प्रतीक : धामी

मुख्यमंत्री ने पूर्व सैनिकों का बढ़ाया मनोबल, कहा आप राष्ट्र की शान हैं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कैंप मुख्यालय हल्द्वानी में आयोजित पूर्व अर्धसैनिक बलों के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि अर्धसैनिक बलों के वीर जवानों ने कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से अरुणाचल तक हर मोर्चे पर अदम्य साहस, शौर्य और समर्पण के साथ देश की सेवा की है। तिरंगे की शान को बढ़ाने में इन वीर सपूतों का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अर्द्धसैनिक बल के जवानों को वीरता, साहस और देश भक्ति का प्रतीक बताते हुए उन्हें राष्ट्र की शान बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिक कभी भी 'भूतपूर्व' नहीं होता, वह जीवनपर्यंत सैनिक ही रहता है। कहा कि शहीदों की शहादत की कोई कीमत नहीं हो सकती और राज्य सरकार का दायित्व है कि उनके परिवारों को किसी प्रकार की कठिनाई न

होने पाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अर्द्धसैनिक बलों और शहीदों के परिजनों के सम्मान हेतु अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया है।

अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र से अलंकृत वीरों की पुरस्कार राशि एवं वार्षिक अनुदान में भी महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। शहीदों की स्मृति में स्मारक एवं शहीद द्वार निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस वर्ष 10 वीर बलिदानियों की स्मृति में नए स्मारकों की स्वीकृति दी गई है। साथ ही शहीदों के परिजनों के एक सदस्य को सरकारी नौकरी में समायोजित करने की व्यवस्था भी लागू की गई है।

उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड वीरभूमि भी है और यहां की धरोहर, संस्कृति तथा परंपरा की रक्षा करना सभी का दायित्व है। कहा कि राज्य सरकार ह्विकल्प रहित संकल्पह्व के साथ उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने अर्धसैनिकों के लिए की घोषणाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अर्द्धसैनिक बलों के कल्याण के लिए घोषणा की कि भविष्य में प्रेजिडेन्ट पुलिस मेडल–गैलेन्ट्री वीरता पदक से अलंकृत होने वाले अर्द्धसैनिक को एकमुश्त 05 लाख रूपये की अनुदान राशि दी जायेगी, पूर्व अर्द्धसैनिक एवं अर्द्धसैनिक की वीर नारी, जिसके पास स्वयं की कोई अचल सम्पत्ति नहीं है, को उत्तराखण्ड राज्य में जीवनकाल में एक बार अचल सम्पत्ति क्रय किये जाने में स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी, उत्तराखण्ड राज्य अर्द्धसैनिक बल कल्याण परिषद् को क्रियाशील किया जायेगा और परिषद् के लिए पुलिस मुख्यालय में एक कार्यालय कक्ष आवंटित किया जायेगा, सैनिक कल्याण निदेशालय में उपनिदेशक (अर्द्धसैनिक) एवं बड़े जिलों के जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में सहायक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी (अर्द्धसैनिक) के एक–एक पद स्वीकृत किये जायेंगे, जिसमें पूर्व अर्द्धसैनिक संविदा में नियुक्त किये जायेंगे, जो अर्द्ध सैनिक बलों के बच्चे हैं, उनको शादी हेतु हमारे सैनिकों के भांति धनराशि प्रदान की जाएगी।

पुतिन की भारत यात्रा से पहले रूस के साथ सैन्य रसद समझौता

नईदिल्ली,रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से पहले दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता हुआ है। रूस की संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा ने मंगलावर को भारत के साथ एक जरूरी सैन्य रसद समझौते को मंजूरी दी है, जिसे एक बड़ा रक्षा सहयोग बताया जा रहा है। समझौते को रसद समर्थन के पारस्परिक आदान–प्रदान (आरईएलओएस) संधि के रूप में जाना जाता है। यह मूल रूप से 18 फरवरी को भारत–रूस की सरकारों के बीच हस्ताक्षरित किया गया था।

समझौते को लेकर स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन ने सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के साथ हमारे संबंध रणनीतिक और व्यापक हैं, और हम उन्हें महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि आज समझौते का अनुसमर्थन पारस्परिकता और निश्चित रूप से हमारे संबंधों के विकास की दिशा में एक और कदम है। बता दें कि समझौते को अनुमोदन के लिए पिछले सप्ताह रूसी

प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन द्वारा निचले सदन में भेजा गया था।

आरईएलओएस संधि दोनों देशों के लिए एक–दूसरे के क्षेत्र में संचालन करते समय सैन्य परिसंपत्तियों, कर्मियों, जहाजों और विमानों को समर्थन देने के लिए एक स्पष्ट तंत्र बनाता है। यह सैनिकों की तैनाती, उपकरणों की आवाजाही और सैन्य सहायता के प्रावधान के लिए प्रक्रियाओं को मानकीकृत करता है। यह समझौता नियमित अभियानों, व्यापक मिशनों, द्विपक्षीय–बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मानवीय राहत अभियान, प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं से संबंधित आपदा प्रतिक्रिया प्रयास में सहयोग का मार्गदर्शन करता है। समझौता हवाई क्षेत्र के पारस्परिक उपयोग को सुगम बनाएगा और दोनों देशों के युद्धपोतों को बंदरगाहों पर आने–जाने की अनुमति देगा। इससे ऐसे अभियानों के लिए एक पूर्वानुमानित और औपचारिक चैनल उपलब्ध होगा। आरईएलओएस संधि से सैन्य सहयोग को अधिक कुशल और संरचित बनाकर रक्षा समन्वय को गहरा करने की उम्मीद है। समझौता एकीकृत प्रक्रिया के तहत बिना बाधा के अधिक बातचीत और पारस्परिक समर्थन के माध्यम से दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन 4 और 5 दिसंबर को नई दिल्ली में रहेंगे। इस दौरान वे वार्षिक भारत–रूस शिखर सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

कैलाशानंद मिशन ट्रस्ट के दस्तावेज़ मंदिर समिति को हस्तांतरित

ऋषिकेश। नैनीताल हाईकोर्ट के आदेश पर कैलाशानंद मिशन ट्रस्ट ने बुधवार को प्रबंधन से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को श्रीबदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) को सौंप दिए। अब बीकेटीसी बतौर रिसीवर कैलाशानंद ट्रस्ट मैनेजमेंट तथा व्यवस्थाओं का संचालन करेगी। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि दस्तावेजों के हस्तांतरण के बाद अब आगे की शासकीय एवं धार्मिक व्यवस्थाओं में अधिक पारदर्शिता आएगी। बताया कि बीकेटीसी ने कैलाशानंद मिशन ट्रस्ट व्यवस्थाओं को संभालने के लिए छह अधिकारियों कर्मचारियों को भी तैनात कर दिया है। लक्ष्मणझूला स्थिति श्री त्र्यंबकेश्वर मंदिर कार्यालय में बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी, कार्यपालक मजिस्ट्रेट विजय प्रसाद थपलियाल एवं पुलिस प्रशासन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में छह से आठ घंटे के विचार विमर्श के पश्चात ट्रस्ट की ओर से प्रशासनिक अधिकारी विशालमणि बर्थ्वाल ने दस्तावेज बीकेटीसी को सौंपे और इसकी जानकारी उन्होंने निवर्तमान रिसीवर राजेश पैन्यूली को दी।

केरल हाई कोर्ट ने एसआईटी जांच बढ़ाई, पूर्व देवस्वोम प्रमुख एन. वासु को नहीं मिली जमानत

एर्नाकुलम/कोल्लम (केरल),। सबरीमला सोना चोरी मामले की जांच में आज दो मोर्चों पर बड़े डेवलपमेंट हुए. केरल हाई कोर्ट ने एसआईटी को जांच के लिए और समय दे दिया, जबकि कोल्लम विजिलेंस कोर्ट ने देवस्वोम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एन. वासु को जमानत देने से इनकार कर दिया.

हाई कोर्ट की देवस्वोम बेंच, जिसने खुद से केस शुरू किया था, ने एसआईटी प्रमुख एस.पी. शशिधरन की दी गई अब तक की रिपोर्ट की समीक्षा करने के बाद एसआईटी को अपनी जांच पूरी करने के लिए एक और महीने का समय दिया. इस दौरान एसआईटी प्रमुख कोर्ट में मौजूद थे.

रिपोर्ट में कथित तौर पर जरूरी बातें हैं, जिससे पता चलता है कि चोरी में देवस्वोम बोर्ड के बड़े अधिकारी साफ तौर पर शामिल थे, जिसमें उस समय के देवस्वोम आयुक्त और तिरुवभरणम कमिश्नर भी शामिल थे, जिनका नाम चार्जशीट में है. एसआईटी की रिपोर्ट में बताया गया है कि पूर्व आयुक्त एन. वासु

ने कथित तौर पर सरकारी कागजों में सोने की प्लेटों को तांबे के तौर पर दर्ज किया था, ऐसा लगता है कि यह काम बोर्ड की जानकारी में था, और मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी ने देवास्वोम अधिकारियों के साथ मिलकर साजिश रची थी.

इसके अलावा, रिपोर्ट में बताया गया है कि 2019 में लगभग 4.5 किलो सोना गायब हो गया था, और पोट्टी ने चोरी की गई सोने की प्लेटों को चेन्नई में अलग करने के बाद बेल्लारी के एक सोने के व्यापारी गोवर्धन को बेच दिया. इस बारे में गोवर्धन ने एसआईटी के समक्ष अपना बयान दिया. निचली अदालत में जमा की गई एसआईटी की रिमांड रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि देवस्वोम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पद्मकुमार ने सोने की चोरी में मदद की थी. इसके साथ ही, हाई कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका पर भी सुनवाई की, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के लिए केस रिकॉर्ड मांगे गए थे.

कोर्ट ने कहा कि ईडी को अपनी जांच जारी रखने में कोई रुकावट नहीं है. हालांकि, हाई कोर्ट ने ईडी को केस के डॉक्यूमेंट्स लेने के लिए मजिस्ट्रेट कोर्ट में नया आवेदन लगाने का निर्देश दिया, क्योंकि मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पहले ईडी के शुरुआती अनुरोध को अस्वीकृत कर दिया था.

केंद्र के लोकसभा में एसआईआर पर बहस के लिए सहमत होने पर इंडिया ब्लॉक ने जीत का दावा किया

नई दिल्ली, सरकार के 9 दिसंबर को लोकसभा में चुनाव सुधारों पर बहस के लिए सहमत होने के बाद इंडिया ब्लॉक ने जीत का दावा किया. देश भर के राज्यों में वोटर लिस्ट का विवादित विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर, चुनाव सुधारों पर बहस का हिस्सा होगा, जिसकी मांग एकजुट विपक्ष 1 दिसंबर को संसद के शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद से कर रहा था. एसआईआर को लेकर विवाद जून में बिहार विधानसभा चुनाव से पहले शुरू हुआ था. पिछले मानसून सेशन के दौरान एसआईआर का मुद्दा विपक्ष और सरकार के बीच झगड़े का बड़ा मुद्दा बन गया था और इसकी वजह से कई काम के दिन बर्बाद हो गए थे. विपक्ष ने एसआईआर को दोषी ठहराया था, जिसकी वजह से बिहार में इंडिया ब्लॉक की हार के लिए वोटर लिस्ट से लाखों

नाम हटा दिए गए थे. साथ ही, विपक्ष ने बाद में 9 राज्यों और 3 यूटी में इस प्रोसेस को बढ़ाने का भी विरोध किया था.

कांग्रेस के अंदर के लोगों ने बताया कि 1 दिसंबर की सुबह इंडिया ब्लॉक स्ट्रेटेजी मीटिंग के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने साफ कर दिया था कि एसआईआर लोकतंत्र से जुड़ा है और इसलिए इस मुद्दे पर बहस नहीं हो सकती. विपक्ष ने पिछले कुछ दिनों में संसद भवन के बाहर इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन भी किया था.

एनडीए में समझदारी आने के बाद चल रहे सेशन में दो दिन गंवाने के बाद सरकार आखिरकार इस मुद्दे पर बहस के लिए मान गई. 14 दिसंबर को कांग्रेस एसआईआर मुद्दे पर दिल्ली में एक बड़ी रैली करने की योजना बना रही है और उसने पार्टी की यूथ विंग से राज्यों में विरोध प्रदर्शन करने को कहा है.

लोकसभा में कांग्रेस सचेतक मणिकम टैगोर ने कहा, यह विपक्ष की जीत है जो एसआईआर पर बहस की मांग को लेकर एकजुट था, लेकिन सरकार तैयार नहीं थी. अब वे 9 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर बहस के लिए सहमत हो गए हैं. इस वजह से एक पूरा मानसून सेशन बर्बाद हो गया और हमने विंटर सेशन के दो दिन गंवा दिए. डेमोक्रेसी ध्यान भटकाने का मैदान नहीं है, यह जवाबदेही मांगता है. उन्होंने कहा, हम एसआईआर पर चल रहे काम के दबाव और राज्यों से गड़बड़ियों की रिपोर्ट आने के बावजूद इस काम को जल्दबाजी में पूरा करने के तरीके से जुड़ी कई बीएलओ की मौतों को लेकर चिंतित हैं. एसआईआर का इस्तेमाल ओबीसी के वोट हटाने के लिए किया जा रहा है. अगस्त में राहुल गांधी ने आरजेपी नेता तेजस्वी यादव के साथ एसआईआर के मुद्दे को उठाने के लिए पूरे बिहार में यात्रा की थी. विपक्ष एसआईआर पर बहस के लिए दबाव बना रहा था. यह अच्छा है कि बहस होगी और दोनों पक्षों को सदन में तथ्य रखने का मौका मिलेगा.

दिल्ली के चांदनी चौक में जहरीली हुई हवा

नईदिल्ली, दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार हो गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है। सबसे व्यस्त और घने इलाकों में शामिल चांदनी चौक की हालत बहुत खराब है। यहां का एक्यूआई 431 दर्ज किया गया है, जो गंभीर है। यह इलाका धुंध की चादर से ढका हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, बुधवार सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 376 दर्ज हुआ है। सीपीसीबी ने दिल्ली के 40 निगरानी केंद्रों से सुबह 7:05 बजे आंकड़े जुटाए, जिसमें 14 केंद्रों पर एक्यूआई 401 से ऊपर दर्ज किया गया है। इसमें आनंद विहार में 405, अशोक विकार में 403, बवाना में 408, चांदनी चौक में 431, कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 406, जहांगीरपुरी में 406, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 405, नेहरू नगर में 436, ओखला में 404, आरके पुरम में 420, रोहिणी में 417, सिरीफोर्ट में 408, विवेक विहार में 415, वजीरपुर में 406 है। दिल्ली में व्यापक वायु प्रदूषण के बीच संसद का शीतकालीन सत्र भी शुरू हो गया है, ऐसे में यह मुद्दा सदन में उठाए जाने की संभावना है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा था कि दिल्ली– एनसीआर में प्रदूषण एक बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि बच्चे और बुजुर्ग इससे परेशान हैं।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली,देश की राजधानी में एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है. दिल्ली में बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब दिल्ली यूनिवर्सिटी के दो कॉलेज रामजस कॉलेज और देशबंधु कॉलेज को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली. ईमेल करने वाले ने बताया कि वे दोपहर 1.15 पर ब्लास्ट करेंगे. धमकी मिलने के बाद दोनों कॉलेजों में सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत अलर्ट कर दिया गया है. जांच में सामने आया है कि मेल भेजने वाले ने दावा किया कि दोनों कॉलेज परिसरों में 3 आरडीएक्स आधारित आईईडी लगाए गए हैं, जिनमें से एक को दोपहर 1:15 बजे विस्फोट के लिए टाइम सेट किया गया है. धमकी की सूचना पर दिल्ली पुलिस और बम स्क्वाड की टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर में तलाशी अभियान शुरू किया. पुलिस अधिकारियों के अनुसार,

अब तक जांच में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है. वहीं, इस घटना से दोनों कॉलेजों के छात्रों और उनके परिजनों में दहशत का माहौल पैदा हो गया. हालांकि पुलिस की त्वरित और सफल कार्रवाई से यह सुनिश्चित हो गया कि स्थिति नियंत्रण में है और कोई खतरा नहीं है. बता दें कि इससे पहले भी कुछ दिनों पहले दिल्ली के द्वारका और प्रशांत विहार में स्थित दो सीआरपीएफ स्कूलों को 18 नवंबर को ईमेल के माध्यम से बम धमकी भेजी गई.

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों को दी सलाह

बोले– एसआईआर पारदर्शी होना चाहिए

नईदिल्ली,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले साल पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार को राज्य के भाजपा सांसदों से संसद में मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को सलाह दी है कि वे विधानसभा चुनावों से पहले यह सुनिश्चित करें कि राज्य में चल रहा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान सरल और पारदर्शी बना रहे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एसआईआर को ज्यादा जटिल नहीं बनाया जाना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक,

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एसआईआर अभियान का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि योग्य मतदाताओं को शामिल किया जाए और जो योग्य नहीं हैं उन्हें हटाया जाए और यह संदेश ज़मीनी स्तर तक पहुंचना चाहिए। संसद में सांसद प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी की ताकत का लाभ उठाने और वर्षों से बनी गति को बनाए रखने को कहा। उन्होंने 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में पार्टी को केंद्रित रखने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल में किसी तरह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लगातार चौथी बार सरकार बनाने से रोकने के लिए रणनीति पर चर्चा भी की। उन्होंने सांसदों को याद दिलाया कि 2011 में बंगाल में केवल 3 विधायक थे, और 2016 तक काफी बढ़ गए हैं। उन्होंने पार्टी की मजबूती पर ध्यान केंद्रित करने, आत्मविश्वास बनाए रखने का मंत्र दिया।

अमेरिका में गोलीबारी के बाद ट्रंप सख्त

वाशिंगटन, अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में अति सुरक्षित व्हाइट हाउस के पास हुई गोलीबारी के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सख्त कदम उठाने की तैयारी कर रहे हैं। ट्रंप विचाराधीन विस्तारित यात्रा प्रतिबंध के तहत 30 से अधिक देशों के विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा सकते हैं। इसके लिए ट्रंप प्रशासन 30 देशों को संशोधित सूची में शामिल करने की तैयारी कर रहा है। आगे इसमें कई अन्य देशों को भी शामिल किए जाने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, होमलैंड सुरक्षा विभाग आगे की सूची जल्द ही जारी की जाएगी। यह अंतिम चरण में हैं और जल्द ही औपचारिक घोषणा हो सकती है। विभाग के सचिव क्रिस्टी नोएम ने बताया कि उन्होंने ट्रंप के साथ बैठक में "पूर्ण यात्रा प्रतिबंध" का प्रस्ताव रखा था।

हिंदू धर्म में कुत्ते को बहुत सम्मान दिया जाता है: रेणुका चौधरी ने बीजेपी पर किया पलटवार

नई दिल्ली,कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने बुधवार को संसद परिसर में कुत्ते को लाने के अपने फैसले का बचाव किया. उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया है. साथ ही, दावा किया कि हिंदू धर्म में कुत्ते का बहुत ऊंचा और सम्मानजनक स्थान है. उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी अपनी परंपराओं को समझे बिना केवल हिंदू होने का दावा करती है.

रेणुका चौधरी, सोमवार को अपने साथ कार में पिल्ले (कुत्ते के बच्चे) के साथ संसद पहुंचकर, और फिर उसे घर वापस भेजकर एक बहस छेड़ दी थी. उन्हें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का अप्रत्यक्ष समर्थन भी मिला. हालांकि, भाजपा ने रेणुका चौधरी की आलोचना थी. कहा था कि इस तरह का आचरण संसद की गरिमा को कम

करता है. इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए, रेणुका चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि संसद में अपरंपरागत प्रवेश का एक उदाहरण पहले भी मौजूद है. पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बैलगाड़ी लेकर संसद आने को याद करते हुए, चौधरी ने कहा, मैं हर उस कुत्ते और जानवर को बचाऊंगी जिसे देखभाल की जरूरत है. उन्होंने आगे कहा, हिंदू धर्म में कुत्ते को बहुत सम्मान दिया जाता है. ये लोग (सत्ताधारी पार्टी) हिंदू होने का दावा करते रहते हैं. जब युधिष्ठिर स्वर्ग गए थे, तो केवल एक कुत्ता ही उनके साथ गया था क्योंकि वह वफादार था. खैर, वे वफादारी के बारे में क्या जानते हैं? बता दें कि मंगलवार को, जब राहुल गांधी से संसद के बाहर इस मामले के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा था, ये वे चीजें हैं जिन पर भारत आजकल चर्चा कर रहा है... मेरा मानना है कि आज कुत्ता मुख्य विषय है. जब उन्हें बताया गया कि संसद परिसर में पालतू जानवरों को लाना मना है, तो गांधी ने जवाब दिया, पालतू जानवर अंदर (संसद भवन की ओर इशारा करते हुए) हैं.

सम्पादकीय

आपराधिक अभियोग से मुक्त

बड़ा सवाल है कि क्या भारतीय न्याय प्रणाली के तहत किसी व्यक्ति को वित्तीय जुर्माना चुका कर आपराधिक अभियोग से मुक्त होने का अवसर दिया जाना चाहिए? आधुनिक न्याय प्रणाली में फौजदारी मामलों से इस तरह मुक्त होने की कोई अवधारणा नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी के एक बहुचर्चित मामले के अभियुक्तों से पैसा वापस लेकर मामला खत्म करने की इजाजत दे दी है। स्टर्लिंग बायोटेक लिमिटेड कंपनी के मालिक संदेसरा बंधुओं को इजाजत दी गई है कि वे 5,100 करोड़ रुपये का भुगतान कर गंभीर आरोपों में चल रहे मुकदमों से मुक्त हो जाएं। जबकि उन पर 14,000 करोड़ रुपये के घपले का इल्जाम है। नितिन एवं चेतन संदेसरा उन भगोड़ों में हैं, जो वित्तीय संस्थाओं को भारी चूना लगा कर देश से भाग निकले। चेतन की पत्नी दीप्ति और उनके परिवार के सदस्य हितेश पटेल को भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भगोड़ा घोषित कर रखा है। गौरतलब है कि ईडी ने इस परिवार की लगभग 14,500 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर रखी है। उनमें से 4,700 करोड़ रुपये की संपत्ति भारत के अंदर है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत संदेसरा बंधु 5,100 करोड़ रुपये चुका देंगे, तो यह संपत्ति उन्हें वापस मिल जाएगी। विदेशों में जब्त 9,778 करोड़ की संपत्ति भी उनकी पहुंच से फिलहाल बाहर है। यह दीगर है कि उसे हासिल करना भारत सरकार के लिए भी कठिन बना हुआ है। मुकदमा खत्म होते ही संदेसरा परिवार की यह संपत्ति भी मुक्त हो जाएगी। उससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या भारतीय न्याय प्रणाली के तहत किसी व्यक्ति को वित्तीय जुर्माना चुका कर आपराधिक अभियोग से मुक्त होने का अवसर दिया जाना चाहिए? इस्लामी देशों में ब्लड मनी देकर आरोपी हत्या के जुर्म से भी बरी हो जाते हैं। मगर जिन देशों में आधुनिक न्याय प्रणाली है, वहां फौजदारी मामलों से इस तरह मुक्त होने की कोई अवधारणा नहीं होती। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय असहज करने वाले मालूम पड़े हैं। इनमें वोडाफोन आइडिया और निर्माण कार्यों को बाद की तारीख में हरी झंडी देने संबंधी मामले शामिल हैं। ताजा मामले में कोर्ट ने कहा है कि इसे भविष्य के लिए उदाहरण नहीं माना जाएगा। लेकिन संदेसरा बंधुओं को यह लाभ मिला है, तो आखिर किस तर्क पर विजय माल्या या नीरव मोदी या वैसे अन्य आर्थिक अभियुक्तों को इससे वंचित रखा जा सकता है?

ट्रेड यूनियनों का संघर्ष

मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए चार श्रम संहिताओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। संसद से पारित होने के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने में सरकार को लगभग छह साल लगे, तो उसका यही संकेत है कि इनको लेकर संबंधित पक्षों के बीच कैसे टकराव की स्थिति रही है। सत्ता पक्ष की हालिया चुनावी सफलताओं के बाद संभवतः केंद्र ने महसूस किया है कि इन संहिताओं को लागू करने का यह अनुकूल मौका है। केंद्र का दावा है कि इन संहिताओं के जरिए पुराने पड़ गए श्रम कानूनों को आधुनिक और मौजूदा वैश्विक प्रतिमानों के अनुरूप बनाया गया है। दावा तो यह भी है कि इनमें श्रमिकों के कल्याण के नए और प्रभावी उपाय शामिल किए गए हैं। मगर दस ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच की प्रतिक्रिया पर गौर करें, तो यह साफ होता है कि श्रम क्षेत्र के अनेक प्रमुख हितधारक ऐसे दावों से सहमत नहीं हैं। उनकी दलील है कि इन संहिताओं का मकसद मजदूरों एवं कर्मचारियों की सामूहिक सौदेबाजी की वैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना है। इन संहिताओं के तहत ट्रेड यूनियन बनाना, उनकी सामूहिक शक्ति के जरिए अपनी मांगों को रखना या हड़ताल पर जाना बेहद कठिन हो जाएगा। यानी श्रमिक वर्ग पूरी तरह प्रबंधन और सरकार की सदाशयता पर निर्भर हो जाएगा। संयुक्त मंच ने याद दिलाया है कि इन संहिताओं के खिलाफ गुजरे वर्षों में उसने कई आंदोलन किए। मंच ने इसी गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिल कर देश भर में विरोध जताने का एलान किया है। साथ ही विरोध प्रदर्शन के कई अन्य कार्यक्रम भी उसने घोषित किए हैं। यह निर्विवाद है कि मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। फिर भी बिना उन्हें भरोसे में लिए श्रम संहिताओं को लागू कर सरकार ने टकराव का एक नया मोर्चा खोल दिया है।

जिहाद की बौद्धिक जड़ों पर सभ्य समाज प्रायः चुप

कुछ दशकों में भारत जब भी आतंकवाद का शिकार हुआ, तब इसे वामपंथी मुस्लिम समाज में व्याप्त 'अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबीइ से जोड़ देते है। यदि ऐसा ही है, तो कश्मीरी डॉक्टर उमर नबी, अनंतनाग अस्पताल में डॉक्टर आदिल अहमद राठर, फरीदाबाद के अल–फलाह अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनई और लखनऊनिवासी महिला डॉक्टर शाहीन सईद जैसे शिक्षित, संपन्न और समाज में मान–सम्मान पाने वाले मुस्लिमों ने जिहाद का मार्ग क्यों अपनाया? दरअसल, इस्लाम में जिहादी सोच को मजबूती देने में मदरसा शिक्षा पद्धति की बड़ी भूमिका है। अधिकतर मुस्लिम परिवारों के बच्चे प्रारंभिक शिक्षा–दीक्षा यही ग्रहण करते है, जिसका माहौल कट्टरपंथी इस्लामी पहचान तक सीमित– अर्थात् 'काफिर– कुफ्र– शिर्कइ अवधारणा से युक्त और सह–अस्तित्व प्रेरित बहुलतावाद से मुक्त रहता है। अक्सर आधुनिकीकरण के नाम पर मदरसों में छात्रों को गणित, विज्ञान और कंप्यूटर आदि विषयों को भी पढ़ाया जाता है। वास्तव में, यह विषय केवल माध्यम हैं– इनका उपयोग या दुरुपयोग लोगों की मानसिकता पर निर्भर करता है।

बलबीर पुंज

जिहाद की बौद्धिक जड़ों पर सभ्य समाज प्रायः चुप रहता है, जबकि जिहाद से निर्णायक संघर्ष तभी संभव है, जब उसके मूल विचारों पर सीधी बहस की जाए। क्या मौजूदा दौर में ऐसा संभव है?ज् कश्मीरी डॉक्टर उमर नबी, अनंतनाग अस्पताल में डॉक्टर आदिल अहमद राठर, फरीदाबाद के अल–फलाह अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनई और लखनऊनिवासी महिला डॉक्टर शाहीन सईद जैसे शिक्षित, संपन्न और समाज में मान–सम्मान पाने वाले मुस्लिमों ने यह मार्ग क्यों अपनाया?

10 नवंबर की शाम राजधानी दिल्ली एक फिदायीन आतंकी हमले से दहल उठी। लालकिला मेट्रो स्टेशन के बाहर चलती कार में हुए भीषण विस्फोट से कई निदोष हताहत हो गए। यह हमला एक बार फिर से जिहाद पर बनी पुरानी धारणाओं को चुनौती दे रहा है। साथ ही यह भी सोचने पर मजबूर कर रहा है कि आखिर सभ्य समाज इसपर आजतक निर्णायक विजय क्यों नहीं पा सका है?

पिछले कुछ दशकों में भारत जब भी आतंकवाद का शिकार हुआ, तब इसे वामपंथी मुस्लिम समाज में व्याप्त 'अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबीइ से जोड़ देते है। यदि ऐसा ही है, तो कश्मीरी डॉक्टर उमर नबी, अनंतनाग अस्पताल में डॉक्टर आदिल अहमद राठर, फरीदाबाद के अल–फलाह अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनई और लखनऊ निवासी महिला डॉक्टर शाहीन सईद जैसे शिक्षित, संपन्न और समाज में मान–सम्मान पाने वाले मुस्लिमों ने जिहाद का मार्ग क्यों अपनाया?

दरअसल, इस्लाम में जिहादी सोच को मजबूती देने में मदरसा शिक्षा पद्धति की बड़ी भूमिका है। अधिकतर मुस्लिम परिवारों के बच्चे प्रारंभिक शिक्षा–दीक्षा यही ग्रहण करते है, जिसका माहौल कट्टरपंथी इस्लामी पहचान तक सीमित– अर्थात् 'काफिर– कुफ्र–शिर्कइ अवधारणा से युक्त और सह–अस्तित्व प्रेरित बहुलतावाद से मुक्त रहता है। अक्सर आधुनिकीकरण के नाम पर मदरसों में छात्रों को गणित, विज्ञान और कंप्यूटर आदि विषयों को भी पढ़ाया जाता है। वास्तव में, यह विषय केवल माध्यम हैं– इनका उपयोग या दुरुपयोग लोगों की मानसिकता पर निर्भर करता है।

यही कारण है कि डॉ.उमर, डॉ.आदिल, डॉ.मुजम्मिल और डॉ.शाहीन आधुनिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद भी जिहाद का रास्ता नहीं छोड़ पाए। भारत सहित शेष विश्व में इस तरह के उच्च–शिक्षित (डॉक्टर–प्रोफेसर सहित) जिहादियों की एक लंबी फेहरिस्त है। न्यूयॉर्क के भीषण 9/11 आतंकी हमले के गुनहगार (लादेन सहित) आधुनिक शिक्षा में दक्ष थे। कड़वा सच यह है कि जब जिहादी मानसिकता का मेल विज्ञान–गणित–कंप्यूटर से होता है, तो वह और भी अधिक खतरनाक हो जाता है।दिल्ली में हालिया जिहादी हमले की कड़ियां कश्मीर से लेकर हरियाणा और उत्तरप्रदेश तक जुड़ी है। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने डॉ.आदिल को श्रीनगर की दीवारों पर आतंकी संगठन 'जैश–ए–मोहम्मदइ के पर्चे चिपकाने के आरोप में 6 नवंबर को उत्तरप्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया था। जब पुलिस ने अस्पताल स्थित उसके लॉकर की तलाशी ली, तो वहां से एके–47 सहित कई हथियार बरामद हुए।

पूछताछ में डॉ.मुजम्मिल का नाम सामने आया, जिसके फरीदाबाद स्थित किराए के मकान से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक, हथियारों का जखीरा और बम बनाने के उपकरणों को जब्त किया गया। इसी कार्रवाई में पुलिस ने डॉ.शाहीन को भी घातक हथियारों के साथ धरदबोचा। हालिया जिहादी वारदात में जिस कार का इस्तेमाल हुआ, उसे बकौल जांचकर्ता डॉ.उमर चला रहा था।

यह जिहादी मानसिकता केवल फिदायीन हमले तक सीमित नहीं है। गुजरात पुलिस ने हाल ही में डॉ.अहमद मोहिउद्दीन सैयद को उसके दो सहयोगियों के साथ गिरफ्तार किया था। सैयद अरंडी के बीजों से घातक राइसिन जहर बना रहा था, जिसे पानी–भोजन में मिलाकर बड़े नरसंहार को अंजाम देने की योजना थी।

क्या धन–दौलत के लिए मुस्लिम समाज का एक वर्ग जिहाद का रास्ता अपनाता है? सच तो यह है कि भारतीय उपमहाद्वीप (भारत सहित) में एक बड़ा मुस्लिम वर्ग उन्हीं इस्लामी आक्रांताओं– गजनवी, गोरी, बाबर, औरंगजेब, अब्दाली, टीपू सुल्तान आदि को अपना 'नायकइ या फिर स्वयं को उनका 'वैचारिक–उत्तराधिकारीइ मानता है, जिन्होंने 'काफिर–कुफ्रइ चिंतन से प्रेरित होकर भारत में असंख्य हिंदुओं का कत्लेआम किया, उनकी महिलाओं से बलात्कार किया, उनके हजारों मंदिरों को तोड़ा और सांस्कृतिक प्रतीकों–मानबिंदुओं को रौंदा। इस वर्ग की धारणा है कि भारतीय उपमहाद्वीप के अधूरे 'गजवा–ए–हिंद का मजहबी दायित्व उसपर है। वास्तव में, बीते दशकों में हुए अनेकों जिहादी हमलों (26/11 सहित) की प्रेरणा और शताब्दियों पूर्व भारत में इस्लामी आक्रांताओं का चिंतन– एक ही है। इसका एक विवरण वर्ष 1908 में जी.रुस–केपेल और काजी अब्दुल गनी खान द्वारा अनुवादित 'तारीख–ए–सुल्तान महमूद–ए–गजनवीइ पुस्तक में मिलता है। इसके अनुसार, जब महमूद गजनवी (971–1030) को एक पराजित हिंदू राजा ने मंदिर नष्ट नहीं करने के बदले अपार धन देने की पेशकश की, तो उसने कहा– हमारे मजहब में जो कोई मूर्तिपूजकों के पूजास्थल को नष्ट करेगा, वह कयामत के दिन बहुत बड़ा इनाम पाएगा और मेरा इरादा हिंदुस्तान के हर नगर से मूर्तियों को पूरी तरह से हटाना हैज्। इसी प्रकार वर्ष 1398 में भारत पर आक्रमण कर लाखों निदोष हिंदुओं का नरसंहार करने वाले तैमूर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुक–ए–तैमूरीइ में लिखा था– हिंदुस्तान आने का मेरा एक उद्देश्य काफिरों से जिहाद और सवाब अर्जित करना है। यहां तक, बाबर ने जिहाद की बुनियाद पर 'काफिरइ हिंदू राजा राणा सांगा को पराजित करके मुगल साम्राज्य की स्थापना की और खुद को 'गाजीइ घोषित किया था।बीते कुछ समय से एक और विषाक्त नैरेटिव बनाया जा रहा है, जिसमें मुस्लिम समाज में व्याप्त 'असहिष्णुताइ, 'कट्टरताइ और 'आक्रमकताइ को मोदी सरकार की नीतियों से जोड़ दिया जाता है। यदि ऐसा है, तो 1947 में देश का मजहब के नाम पर रक्तरंजित विभाजन क्यों हुआ? क्यों इसे गांधीजी–नेहरू–पटेल नहीं रोक पाए? 1980–90 के दौर में मुस्लिम बहुल घाटी में कश्मीरी पंडितों का नरसंहार–पलायन क्यों हुआ?क्यों कोलकाता (1993), भारतीय संसद (2001), गांधीनगर (2002), मुंबई (1993, 2006, 2008 और 2011), कोयंबटूर (1998), दिल्ली (2005 और 2008), जयपुर (2008), अहमदाबाद (2008), पुणे (2010), वाराणसी (2010), हैदराबाद (2013), बोधगया (2013) आदि शहरों में जिहादी हमले हुए? वास्तव में, यह सभी आतंकवादी कृत किसी 'उकसावेइ का परिणाम नहीं, बल्कि इसलिए हुए क्योंकि वर्तमान भारत में आज भी 'मूर्तिपूजाइ और 'बहुलतावादइ स्वीकार्य है, जिसे जिहादी अवधारणा में 'अक्षम्य अपराधइ माना गया है, जिसकी सजा केवल मौत है।भारत वह भूमि है, जहां परंपरा–आधुनिकता साथ–साथ चलती हैं और अनादिकाल से संवाद की स्वतंत्रता है। इसलिए वेद, रामायण, महाभारत और मनुस्मृति आदि ग्रंथों पर खुली चर्चा होती है। परंतु यह खुलापन इस्लाम में नहीं है– जिसका दंश नूपुर शर्मा, तस्लीमा नसरीन, सलमान रुश्दी आदि झेल रहे है। जिहाद की बौद्धिक जड़ों पर सभ्य समाज प्रायः चुप रहता है, जबकि जिहाद से निर्णायक संघर्ष तभी संभव है, जब उसके मूल विचारों पर सीधी बहस की जाए। क्या मौजूदा दौर में ऐसा संभव है?

कमांडर ऑफ डिफेंस फोर्सेज मुनीर

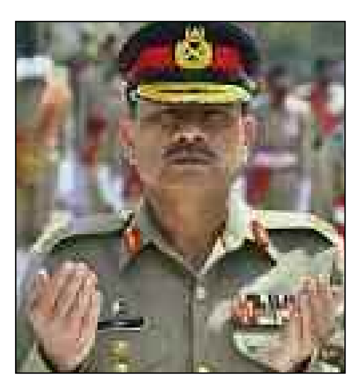

नए संशोधन के तहत फील्ड मार्शल असीम मुनीर कमांडर ऑफ डिफेंस फोर्सेज बन कर सेना के सभी अंगों के प्रमुख बन जाएंगे। साथ ही सुप्रीम कोर्ट से अपनी पहल पर मामलों का संज्ञान लेने का अधिकार छीन लिया जाएगा। पाकिस्तान में संविधान संशोधन के जरिए सत्ता का नया ढांचा कायम कर दिया गया है। या इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि वहां जो ढांचा व्यवहार में चल रहा था, उसे अब औपचारिक रूप दे दिया गया है। यानी देश में वास्तविक सत्ता निर्वाचित सरकार के हाथ में होने का नकाब उतार फेंका गया है। वैसे हकीकत यही है कि अप्रैल 2022 में इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) सरकार को सत्ता से हटाए जाने के बाद से असल सत्ता सेना के हाथ में रही है, जिसने शहबाज शरीफ सरकार को अपना 'लोकतांत्रिक मुखौटाइ बना रखा है। इमरान खान की सरकार हटाई ही इसलिए गई, क्योंकि उसने संप्रभु अधिकार खुद में होने का भ्रम पाला था। मगर तब सेना को नकाब की जरूरत पड़ी, क्योंकि खान की सरकार को गिराने के क्रम में वह देश में अभूतपूर्व रूप से अलोकप्रिय हो गई। बहरहाल, इस साल मई में ऑपरेशन सिंदूर (पाकिस्तान में बुनयान– अल–मरसूस) के दौरान पाकिस्तानी सेना देश के अंदर अपनी कथित जीत का नैरेटिव बनाने में कामयाब रही। तब से उसका आकलन है कि अब सत्ता पर औपचारिक नियंत्रण बना लेने का सही वक्त है। उस सैन्य कार्रवाई के तुरंत बाद सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने खुद को फील्ड मार्शल बनवाया था।अब नए संशोधन के तहत वे कमांडर ऑफ डिफेंस फोर्सेज बन कर सेना के सभी अंगों के प्रमुख बन जाएंगे। इसके साथ ही संवैधानिक मामलों के लिए अलग से न्यायालय का गठन होगा, जबकि वर्तमान सुप्रीम कोर्ट से अपनी पहल पर मामलों का संज्ञान लेने का अधिकार छीन लिया जाएगा। पाकिस्तान के सत्ता तंत्र में हमेशा, कम–से–कम रक्षा एवं विदेश नीति संबंधी मामलों में, सेना के पास निर्णायक अधिकार रहे हैं। देशी मामलों में भी उसके आर्थिक एवं अन्य हित व्यवहार में सरकार और न्यायपालिका की पहुंच से बाहर रहे हैं। फिर भी कभी–कभार अदालतें सेना नेतृत्व की मर्जी के खिलाफ जाकर कुछ मामलों का संज्ञान ले लेती थीं। इमरान खान सरकार ने नीतिगत मामले अपने हाथ में लेने की कोशिश की थी। फील्ड मार्शल मुनीर ने अब ऐसी संभावनाओं पर विराम लगवा दिया है।

फ्री मार्केट सिद्धांत के खिलाफ

इस प्रवत्ति के तहत भारतीय करदाताओं को 84 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की चपत लगने की आशंका पैदा हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन आइडिया (वीआई) कंपनी पर बकाया एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) की कुल रकम का पुनर्मूल्यांकन करने और उसे माफ करने की अनुमति केंद्र को दे दी है।

जब ऐसे कदम उठाए जाते हैं, तो उसके लिए तर्क गढ़ लिए जाते हैं। रोजगार बचाना आम दलील है। वीआई के मामले में यह भी कहा गया कि कंपनी फेल हुई, तो बाजार में जियो और एयरटेल का द्वि–अधिकार हो जाएगा।

आलोचक अक्सर कहते हैं कि मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था का वास्तविक अर्थ हैः फायदे का निजीकरण और घाटे का समाजीकरण। यानी जो फायदा हुआ, वह कंपनी मालिकों की जेब में जाएगा, लेकिन घाटा हुआ, तो उसे करदाताओं के पैसे भरा जाएगा। यह प्रवृत्ति अब बेहद आम हो चुकी। लेकिन इस कारण आर्थिक प्रबंधन का यह ढांचा आम जन की निगाह में लगातार अपनी साख खोता चला गया है। फिलहाल, इस प्रवत्ति के तहत भारतीय करदाताओं को 84 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की चपत लगने की आशंका पैदा हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन आइडिया (वीआई) कंपनी पर बकाया एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) की कुल रकम का पुनर्मूल्यांकन करने और उसे माफ करने की अनुमति केंद्र को दे दी है। यह फैसला सोमवार को आया और उसी दिन आय कर विभाग ने ट्रांसफर प्राइसिंग केस में इस कंपनी पर 8,500 करोड़ रुपये के बकाया से संबंधित मुकदमे को वापस ले लिया। 2020 के न्यायिक निर्णय के मुताबिक वीआई पर 58,254 करोड़ रुपये का बकाया एजीआर तय किया गया था। ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज के साथ यह रकम 83,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। अब ये सारी रकम माफ की जा सकेगी। इसके पहले केंद्र ने इस कंपनी को बेलआउट देने के क्रम में इसमें 49 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली थी। इसके तहत 36,950 करोड़ रुपये इस कंपनी में लगाए गए। तब यह जुमला भुला दिया कि बिजनेस में शामिल होना सरकार का काम नहीं है! दरअसल, जब कभी ऐसे कदम उठाए जाते हैं, तो उसके लिए तर्क गढ़ लिए जाते हैं। रोजगार बचाना एक आम दलील है। वीआई के मामले में यह भी कहा गया कि अगर कंपनी फेल हुई, तो बाजार में जियो और एयरटेल का द्वि–अधिकार हो जाएगा। मगर भारत सरकार को द्वि या एकाधिकार से कोई दिक्कत है, इसे मानने का शायद ही कोई आधार मौजूद हो! असल मकसद है अपनी अक्षमताओं के कारण फेल हो रही एक कंपनी को बचाना। यह सिरे से फ्री मार्केट सिद्धांत के खिलाफ है। दरअसल, ऐसे कदम क्रेनिज्म के दायरे में आते हैं। मगर आज इसकी शायद ही किसी को फिक्रहो!

अंधमैना फिगारुनुव्वा हुआ जारी रिलीज

नागा शौर्य की आगामी फिल्म बैड बॉय कार्तिक के रोमांटिक गाने अंधामैना फिगारु नुव्वा का लिरिकल वीडियो रिलीज़ हो गया है। हैरिस जयराज द्वारा रचित इस गाने में श्रीधर सेना और प्रिया जर्सन ने अपनी भावपूर्ण आवाज़ दी है और कृष्ण कंठ ने इसके बोल लिखे हैं। राम देसिन द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक व्यावसायिक एक्शन एंटरटेनर होने का वादा करती है जिसमें ज़बरदस्त ड्रामा और कॉमेडी का मिश्रण है। नागा शौर्य इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, उनके साथ विधि, समुथिरकानी, नरेश वीके, साईकुमार, माइम गोपी, श्रीदेवी विजयकुमार, वेनेला किशोर और ब्रह्माजी भी हैं। टीज़र में नागा शौर्य का रौद्र और आक्रमक किरदार दिखाया गया है, जो उनके विशालकाय अवतार का संकेत देता है। समुथिरकानी ने वरधा रेड्डी की भूमिका निभाई है, जो कहानी में गहराई जोड़ते हैं। इस फिल्म में एक बेहतरीन तकनीकी टीम है, जिसमें रसूल एलोर द्वारा छायांकन, कोटागिरी वेंकटेश्वर राव द्वारा संपादन और रमनजनेयुलु द्वारा कला निर्देशन शामिल है। इस परियोजना के साथ तेलुगु सिनेमा में हैरिस जयराज की वापसी ने खूब सुर्खियाँ बटोरी हैं, और फिल्म के विविध कलाकार और क्रू एक संपूर्ण मनोरंजन का वादा करते हैं। इस फिल्म में सुप्रीम सुंदर और पृथ्वी द्वारा कोरियोग्राफ किए गए ज़बरदस्त एक्शन दृश्यों के साथ–साथ राजू सुंदरम, शोबी मास्टर, विजय पोलंकी और सिरीश द्वारा निर्देशित मनमोहक नृत्य गीत भी शामिल हैं।

एशेज सीरीज 2025—26: दूसरे टेस्ट मुकाबले का प्रीव्यू और जरूरी आंकड़े

नईदिल्ली, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच प्रतिष्ठित एशेज सीरीज का दूसरा मैच 4 दिसंबर से ब्रिस्बेन के द गाबा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज में कंगारू टीम 1–0 से आगे है। ऐसे में इंग्लैंड की टीम ये मुकाबला जीतकर सीरीज को 1–1 की बराबरी पर लाना चाहेंगे। ये मुकाबला डे–नाइट टेस्ट होगा। ऐसे में आइए इस मुकाबले का प्रीव्यू और अन्य जरूरी बातों के बारे में जानते हैं। क्रिकइंफो के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा डे–नाइट टेस्ट (14) खेले हैं। इसमें से उन्होंने 13 मैच जीते हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ पिछले साल गाबा में ही वेस्टइंडीज के खिलाफ हार मिली थी। डे–नाइट टेस्ट में इंग्लैंड का रिकॉर्ड बहुत खराब है। इंग्लिश टीम ने 7 मैचों में से सिर्फ 2 में जीत हासिल की है और 5 में शिकस्त मिली है। इंग्लैंड ने आखिरी बार फरवरी 2023 में पिंक–बॉल मैच खेला था। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच अब तक 362 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान कंगारू टीम को 153 मुकाबलों में जीत मिली है। इंग्लैंड ने 112 मैच अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच 97 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर दोनों टीमों के बीच अब तक 186 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। 100 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं और 57 में उसे हार मिली है। 29 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। दूसरे टेस्ट से पहले कंगारू टीम को बड़ा झटका लगा है। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। ऐसे में एक बार फिर ट्रेविस हेड सलामी बल्लेबाज के रूप में नजर आ सकते हैं। तेज गेंदबाजी की कमान मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के कंधों पर होगी। संभावित एकादशः जेक वेदराल्ड, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ (कप्तान), मार्नस लाबुशेन, एलेक्स केरी, कैमरून ग्रीन, जोश इंग्लिस, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, नाथन लियोन और ब्रेंडन डॉगेट। मार्क वुड प्लेइंग इलेवन से बाहर हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन और ब्रायडन कार्स के रूप में अन्य तेज गेंदबाज मौजूद हैं। बेन स्टोक्स चौथे तेज गेंदबाज हैं। विल जैक्स को दूसरे टेस्ट में मौका मिला है। इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवनः जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, और जोफ्रा आर्चर।

एल्विश यादव की सीरीज औकात के बाहर का ट्रेलर जारी

एल्विश यादव ने अपने करियर की शुरुआत बतौर कंटेंट क्रिएटर की थी। वह इंस्टाग्राम, यूट्यूब पर फनी वीडियो बनाते थे। इसके बाद टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस 2झ् (ओटीटी) का वह हिस्सा बने। इसके बाद 'लाफ्टर शेफ 2झ् में भी नजर आए। अब एल्विश एक्टिंग में डेब्यू कर चुके हैं। हाल ही में उनकी डेब्यू सीरीज 'औकात के बाहरझ् का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें वह किसी मंझे हुए एक्टर की तरह एक्टिंग करते दिखे।

सीरीज 'औकात के बाहरझ् के ट्रेलर की शुरुआत में एल्विश यादव का किरदार नजर आता है। जिसका सपना बॉक्सर बनने का है। वह कॉलेज पहुंचता है। यहां उसकी मुलाकात एक सीनियर से होती है। इनके बीच अलग कनेक्शन बनता है। लेकिन आगे कॉलेज की पॉलिटिक्स के चक्कर में एल्विश यादव के किरदारों को काफी कुछ फेस करना पड़ता है। एल्विश यादव के अलावा सीरीज 'औकात से बाहरझ् में मल्हार राठौर, निखिल विजय, हेतल गड़ा, रोहन खुराना, केशव साधना जैसे एक्टर्स भी नजर आए। सभी कॉलेज स्टूडेंट्स के रोल में दिखाई दिए। इस सीरीज को तन्मय रस्तोगी ने निर्देशित किया है। यह सीरीज 3 दिसंबर को अमेजन एमएक्सप्लेयर पर स्ट्रीम होगी।

पलक तिवारी ने स्ट्रैप–लैस गाउन में ढाया कहर

टीवी क्वीन श्वेता तिवारी की बेटी और इंटरनेट सेंसेशन पलक तिवारी एक बार फिर सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं. अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में पलक ने ऐसा दिलकश अंदाज दिखाया है कि फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. गोल्डन स्ट्रैपलेस गाउन में उनका ग्लैमरस लुक अब हर जगह छाया हुआ है.

25 साल की पलक तिवारी हमेशा अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस फैशन सेंस के लिए चर्चा में रहती हैं. इस बार उन्होंने अपना एक ऐसा फोटोशूट शेयर किया है, जिसे देखकर फैंस के होश उड़ गए. गोल्डन शिमरी गाउन में पलक का यह नया अवतार सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

आईसीसी के आचार संहिता का उल्लंघन करने पर हर्षित राणा पर हुई कार्रवाई

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज हर्षित राणा को रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में हुई घटना के लिए फटकार जारी की गई है। हर्षित ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) आचार संहिता के आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया, जो ऐसे शब्दों, हरकतों या इशारों से जुड़ा है जो किसी बल्लेबाज को आउट होने के बाद अपमानित करें या आक्रमक प्रतिक्रिया के लिए उकसाए। उनके जश्न को इसी श्रेणी में पाया गया, जिसके चलते उन्हें चेतावनी दी गई।

यह घटना रांची वनडे में हुई। दक्षिण अफ्रीका की पारी के 22वें ओवर में हर्षित ने डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की दिशा में जाने का इशारा किया। उनकी यह हरकत ऐसी मानी गई कि इससे बल्लेबाज की आक्रमक प्रतिक्रिया भड़क सकती थी। इसी कारण हर्षित को एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया, जिसे उनकी अनुशासनिक रिकॉर्ड में जोड़ दिया गया है। पहले वनडे में भारतीय टीम ने शानदार जीत दर्ज की थी।

यह हर्षित का पिछले 24 महीनों में पहला अपराध था। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपने व्यवहार को लेकर लगे आरोप को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया। मामले की स्वीकृति के बाद किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी और उन्हें चेतावनी तथा डिमेरिट प्वॉइंट के साथ मामला निपटा दिया गया। पहले वनडे में हर्षित ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम ने पहले वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को 17 रन से हराते हुए 3 मैचों की सीरीज में बढ़त हासिल की थी। रांची में खेले गए मैच में मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 349/8 का स्कोर बनाया। भारतीय टीम से विराट कोहली ने शतक (135) लगाया। जवाब में प्रोटियाज टीम 49.2 ओवर में सभी विकेट खोकर 332 रन ही बना सकी।

एक नजर

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर बच्चों व अभिभावकों की काउंसलिंग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिले के सभी विकासखंडों में आरबीएसके टीमों ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में जाकर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों व उनके अभिभावकों को लाइव काउंसलिंग दिखाई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी पौड़ी गढ़वाल डा. एसएम शुक्ला ने बताया कि लगातार काउंसलिंग व जानकारी के माध्यम से इन बच्चों के स्वास्थ्य व भविष्य को सुधारा जा सकता है।

इस दौरान बच्चों के विशेष देखभाल को लेकर जानकारी प्रदान की गई। सभी टीमों द्वारा इन बच्चों को समाज में बेहतर जीवन जीने के लिए उनके शारीरिक, मानसिक व बुद्धिमत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से यह गतिविधियां वृहद स्तर पर आयोजित की गई। रीजनल आरबीएसके प्रबंधक निम्मी कुकरेती ने बताया कि निशक्त या विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अब हर 15 दिनों में विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएगी व अभिभावकों के साथ लगातार काउंसलिंग की जाएगी।

गोल्डन कार्ड की विसंगतियां दूर नहीं होने से सेवानिवृत्त कर्मियों में रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गढ़वाल सेवानिवृत्त कर्मचारी समिति की बैठक में विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया। संघ ने गोल्डन कार्ड में आ रही विसंगतियों को दुरुस्त करने के लिए शासन को जल्द पत्र भेजे जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सरकार द्वारा गोल्डन कार्ड की विसंगतियों को दूर न किए जाने पर कर्मचारियों ने रोष व्यक्त किया।

बुधवार को समिति के कार्यकारी अध्यक्ष त्रिलोक सिंह रावत की अध्यक्षता में संघ भवन पौड़ी में आयोजित बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि सबसे पहले संघ का आडिट कराते हुए समिति का रजिस्ट्रेशन का रिनुअल किया जाए। इस दौरान समिति के सदस्यों ने कहा कि समिति की वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। बैठक में सभी सदस्यों ने निर्णय लिया कि समिति की नई कार्यकारिणी गठन के लिए जल्द तिथि निर्धारित कर सभी सदस्यों को निर्वाचन की तिथि से अवगत कराया जाए। बैठक में सुरेश चंद्र बड़थ्वाल, श्रीधर पंवार, सरदार सिंह रावत, दिनेश सिंह रावत, रेवत शाह, जगमोहन सिंह नेगी, चंदन सिंह रावत, जसपाल रावत, केदार सिंह गुसाईं, दिगम्बर सिंह रावत, हुकम सिंह टम्टा, जितेंद्र प्रसाद आदि मौजूद रहे।

आज से शुरू होगा गढ़वाल विवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर में सात दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार से शुरू होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रदेशों से लगभग 40 शिक्षक प्रतिभाग करेंगे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उच्च शिक्षा में उपयोग पर ज्ञान प्राप्त करेंगे। मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर के निदेशक प्रो. देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि गुरूवार से शुरू होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आगरा विश्वविद्यालय के सीएसी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनु प्रताप सिंह बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। बताया कि प्रो. सिंह गढ़वाल विश्वविद्यालय के कार्य परिषद के विजिटर नॉमिनी भी हैं। बताया कि कार्यक्रम वर्तमान समय में उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पक्षों को समझने के दृष्टिकोण से किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न प्रदेशों से लगभग 40 शिक्षक प्रतिभाग करेंगे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उच्च शिक्षा में उपयोग पर ज्ञान प्राप्त करेंगे। (एजेंसी)

टावर के चैनल कार्ड व कॉपर चोरी करने वाले गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जियो टावर निर्माण साइड से टावर के चैनल कार्ड और कॉपर की वायर चोरी करने वाले बदमाशों को सतपुली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चोरी किए गए सामान की कीमत करीब चार लाख रुपये है। पुलिस ने बदमाशों के पास से एक बोलेरो वाहन भी बरामद किया है।

पुलिस ने बताया कि, मामले में जियो टावर टेक्नीशियन कमल तिवाड़ी की ओर से राजस्व पुलिस क्षेत्र गुराडस्यूं चौबट्टाखाल में शिकायत की गई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि था कार्यस्थल से अज्ञात बदमाश जियो टावर की प्लेट व तारे चोरी कर ले गए हैं।

सतपुली पुलिस के हत्थे चढ़े चोर

तहरीर के बाद मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना रेगुलर पुलिस को स्थानांतरित की गई थी। उपनिरीक्षक रियाज अहमद ने बताया कि एकेश्वर क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन दिखाई दिया। बताया कि जब वाहन में सवार लोगों से पूछताछ की गई तो वह गोलमोल जवाब देने लगे। तलाशी के दौरान बेलेरो वाहन से जियो टावर की चैनल कार्ड प्लेट, सात बंडर छोटे–बड़े काले रंग के कापर वायर बरामद किया गया। बताया कि आरोपितों की पहचान उत्तर प्रदेश जिला बरेली ग्राम मुडिया नसीर निवासी गौतम सिंह व बरेली जिला बरेली बहेड़ी ग्राम शेरगढ़ निवासी उवेश रज्जा के रूप में हुई है।

सोशल मीडिया में न डाले अपनी व्यक्तिगत जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार के आईएचएमएस संस्थान में आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को जानकारी देते विषय विशेषज्ञ

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं को बढ़ते साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया गया। कहा कि युवाओं को सोशल मीडिया में अपनी व्यक्तिगत जानकारी नहीं डालनी चाहिए।

कार्यशाला उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) के वित्त पोषण में आउटरीच एंड ट्रेनिंग श्रेणी के अंतर्गत की गई। मुख्य वक्ता प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रो. महेश मनचंदा ने परियोजना के उद्देश्यों एवं बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत रहने की विस्तार से जानकारी दी। सुरक्षा विशेषज्ञ डा. सौमित्र चटोपाध्याय गर्ग ने साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल फ्रॉड से बचाव, मोबाइल एवं ऐप सुरक्षा, गोपनीयता और डेटा सुरक्षा, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, डिजिटल लेन-देन सुरक्षा, साइबर अपराध रिपोटिंग तंत्र पर चर्चा की। कार्यशाला में 150 से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, आइक्यूएसी प्रभारी प्रवीण त्रिपाठी सहित सभी प्राध्यापक मौजूद रहे। कार्यशाला का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर ममता ने किया।

बूंखाल मेले को लेकर परिवहन विभाग की तैयारी शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रसिद्ध बूंखाल मेले को लेकर परिवहन विभाग ने भी अपनी तैयारी शुरू की है। मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग चोपड़ा से मेला स्थल तक शटल सेवा का संचालन करेगा ,ताकि मेला स्थल के आस-पास जाम की हालात पैदा न हो और श्रद्धालुओं के लिए भी सुविधाएं रहे। मेले को देखते हुए विभाग ने रूट प्लान तैयार किया है। चोपड़ा के पास पार्किंग की व्यवस्था बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

पौड़ी के आरटीओ द्वारिका प्रसाद ने बताया कि शटल सेवा में करीब 50 छोटे वाहन चलाने पर विचार किया जा रहा है। यदि जरूरत पड़ी तो वाहनों की संख्या में इजाफा भी किया जाएगा। बूंखाल में 6 दिसंबर को मेले का आयोजन होना है। मेले में मां कालिंका के दर्शन करने के लिए बड़ी सख्या में हर साल श्रद्धालु पहुंचते है। ऐसे में यहां वाहनों की काफी आवाजाही रहती है। डीएम पौड़ी ने बूंखाल मेले की तैयारियों को लेकर बैठक में परिवहन विभाग को वाहनों से लेकर पार्किंग आदि व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के लिए कहा था। आरटीओ के मुताबिक चोपड़ा से बूंखाल मेला स्थल तक करीब 5 किलोमीटर के दायरे में शटल सेवा का संचालन किया जाएगा। इसी सेवा से श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने के लिए आवाजाही कर सकेंगे। मेले के दौरान कई बार ओवर लोडिंग आदि भी देखने में आती है लिहाजा इस पर भी अंकुश लगाया जाएगा, ताकि कोई भी वाहन ओवरलोड होकर श्रद्धालुओं को न ले जाए। शटल सेवा के जरिए यहां आने वाले वाहनों पर भी नियंत्रण हो सकेगा। अभी चोपड़ा के पास पार्किंग आदि की भी व्यवस्था देखी जा रही है ताकि यहां आने वाले वाहनों को यहां पार्क करवाया जा सके। इसी के बाद शटल सेवा को संचालन शुरू किया जाएगा।

दिव्यांगों को सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

सतपुली में आयोजित कार्यशाला में दिव्यांग व बच्चों को जानकारी देती सिविल जज नेहा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विश्व दिव्यांग दिवस पर सतपुली में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से दिव्यांगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

बुधवार को मार्डर्न पब्लिक स्कूल सतपुली में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सिविल जज नेहा ने दिव्यांगों को उनके अधिकारों की जानकारी दी। कहा किदिव्यांगों को अपने अधिकारों की जानकारी होनी आवश्यक है। इसके लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाता है। कहा कि दिव्यांगों के हितों को लेकर कई योजनाएं चल रही हैं। ऐसे में हर दिव्यांग को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। कहा कि दिव्यांग जन स्वरोजगार जैसी कई योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

शिविर में स्कूली बच्चों को भी साइबर अपराध, पोक्सो एक्ट, बाल संरक्षण सहित अन्य कानूनी जानकारियां दी गई। कहा कि बच्चों को सोच समझकर इंटरनेट मीडिया का उपयोग करना चाहिए। इंटरनेट पर अपनी फोटो व व्यक्तिगत जानकारियां न डाले। साइबर अपराध की घटना की जानकारी तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या कोतवाली में दें। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक गिरीश खुगशाल, प्रधानाचार्य मीना लिंगवाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीएलवी मनीष खुगशाल, हरि सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मुकेश बहुगुणा ने किया।

दिव्यांगों की सेवा हर किसी की जिम्मेदारी

कोटद्वार में आयोजित कार्यशाला में भगा लेते दिव्यांग जन व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विश्व दिव्यांग दिवस पर अमर शहीद स्मृति विकलांग एवं नेत्रहीन संस्था की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आमजन से दिव्यांगों की सेवा के लिए आगे आने की अपील की गई। कहा कि दिव्यांगों की सेवा हर किसी की जिम्मेदारी है। बुधवार को संस्था के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल ने किया। कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं, बल्कि एक सकारात्मक ऊर्जा एक नई शुरुआत और एक सुनहरे भविष्य का संकेत है। यह हमें याद दिलाता है कि हर परिवर्तन, हर विचार और हर नई दिशा अपने साथ संभावनाएं लेकर आती है। हमारा समाज तभी आगे बढ़ेगा जब हम किसी नई बात को नकारने के बजाय उसे समझने का प्रयास करेंगे। कहा कि समाज में रहने वाले प्रत्येक दिव्यांग की मदद करना हम सभी का धर्म है। इस दौरान दिव्यांगों को उनके अधिकारों की भी जानकारी दी गई। साथ ही सरकार की ओर चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष भोपाल सिंह रावत, दिनेश पाल सिंह गुसाईं, दीपक मुंडेपी, गजेंद्र प्रसाद जुयाल, भारती रावत, विनीता, सुरेशी देवी, यतेंद्र भट्ट आदि मौजूद रहे।

हेरिटेज एकेडमी के नाम रहा फुटबॉल का फाइनल

फुटबॉल का फाइनल मुकाबला जीतने वाली टीम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंटर स्कूल 7-ए साइड फुटबॉल की ओर से आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला हेरिटेज एकेडमी के नाम रहा। प्रतियोगिता में 16 टीमें प्रतिभाग कर रही थी। इस दौरान युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

हेरिटेज एकेडमी के मैदान में फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बुधवार को प्रथम सेमीफाइल मुकाबला डीएवी व सेंट जोसफ कावेंट स्कूल के बीच खेला गया। जिसमें डीएवी ने सेंट जोसफ कावेंट स्कूल को 3-1 से पराजित किया। द्वितीय सेमीफाइनल का मुकाबला हेरिटेज एकेडेमी और एवीएन के बीच खेला गया, जिसमें हेरिटेज एकेडेमी ने एवीएन को 6-0 से पराजित किया। फाइनल मुकाबला हेरिटेज एकेडेमी और डीएवी के बीच हुआ। फुल टाइम तक दोनों टीमों का स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। दोनों टीमों को पेनेल्टी शूटआऊट में 3-3 मौके मिले। जिसमे हेरिटेज एकैडेमी ए ने डीएवी को 2-0 से पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम की। टूर्नामेंट में बेस्ट डिफेंडर हेरिटेज एकेडेमी के अरमान नेगी रहे। सर्वाधिक स्कोरर डीएवी के कृष्णा रहे। बेस्ट गोल कीपर डीएवी के शिखर सिंह गुसाईं रहे। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट हेरिटेज एकेडेमी के शुभम नैथानी को दिया गया। इस मौके पर हेरिटेज एकैडेमी के डाइरेक्टर ले. कर्नल (सेनि) कुंवर अजय सिंह, प्रधानाचार्य डा. रूपामाला सिंह, उप प्रधानाचार्य अनिता सिंह आदि मौजूद रहे।

गुलदार के बाद भालू के हमलों में हुई खासी बढ़ोत्तरी

वन संरक्षक गढ़वाल ने ली मानव–वन्यजीव संघर्ष व सुरक्षात्मक उपायों को लेकर समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : वन संरक्षक गढ़वाल आकाश कुमार वर्मा ने बुधवार को मानव-वन्यजीव संघर्ष व सुरक्षात्मक उपायो को लेकर विभागीय समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर उन्होंने बताया कि चार वन प्रभागों में मानव वन्यजीव संघर्ष बढ़ा है। इस वर्ष अभी तक 7 लोग अपनी जांच गंवा चुके हैं।

जबकि 124 लोग घायल हुए हैं। बताया कि गुलदार के बाद भालू के हमलों में इस वर्ष खासी बढ़ोत्तरी हुई है। खासतौर पर मई व नवंबर माह में यह हमले बढ़े हैं। जिसके कारणों की विभाग द्वारा जांच की जा रही है।

उन्होंने लोगों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए जाने, जंगल समूह में आने, अंधेरे में बाहर न जाने, बुजुर्ग व बच्चों को अकेले ना छोड़ने, जंगल में पिकनिक की प्रवृत्ति से बचने की अपील की है।

बुधवार को वन संरक्षक गढ़वाल आकाश कुमार वर्मा ने मानव-वन्यजीव संघर्ष व सुरक्षात्मक उपायों को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बताया कि गढ़वाल वन विभाग में वर्ष 2025 में जनवरी से अब तक गुलदार के हमलों में चार लोगों की जान गई है। रुद्रप्रयाग वन प्रभाग में 1 और बद्रीनाथ वन प्रभाग में 2 लोगों की गुलदार के हमले में मौत हुई है। बताया कि घायलों में भी गढ़वाल वन प्रभाग में सबसे ज्यादा 77, रुद्रप्रयाग में 31 व बद्रीनाथ प्रभाग में 16 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि विभागीय समीक्षा बैठक में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं, घटना स्थलों पर कार्मिकों की तैनाती, संसाधनों की उपलब्धता, आवश्यकता, जागरुकता व सुरक्षा के प्रति जनसंवाद को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सीएफ गढ़वाल ने बताया कि विभाग ने प्रभागवार मानव-वन्यजीव संघर्ष की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों का चयन किया जा रहा है। जिसमें लगातार सामने आ रही घटनाओं, नए घटना स्थल, वन्यजीव के घटनाओं को किए जाने के पैटर्न को लेकर गहन आंकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर डीएफओ गढवाल अभिमन्यु मौजूद रहे।

पूर्व सैनिकों व वीर नारियों को दिया समस्याओं के निराकरण का आश्वासन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दिल्ली से कोटद्वार पहुंचे परम विशिष्ट सेवा मैडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल व विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरुवीर पाल सिंह का गौरव सैनिक पैराशूट रेजिमेंट स्पेशल फोर्स ने स्वागत किया। इस दौरान गुरुवीर पाल सिंह ने पूर्व सैनिकों व वीर नारियों को हर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

संगठन के वरिष्ठ सदस्य राम सिंह रावत सहित अन्य सदस्यों ने पुष्प गुच्छ देकर गुरुवीर पाल सिंह का स्वागत किया। वक्ताओं ने कहा कि गुरुवीर पाल सिंह ने 38 वर्ष तक सेना में अपनी सेवाएं दी। 30 सितंबर 2025 को वह सेना से रिटायर हुए। इसके उपरांत पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए गुरुवीर पाल सिंह ने कहा कि देश की रक्षा के लिए दिए गए वीर सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

आयोजित कार्यक्रम में गुरुवीर पाल सिंह का स्वागत करते सदस्य

सीमा की सुरक्षा के बाद अब पूर्व सैनिक समाज की सेवा में जुटे हुए हैं। कहा कि पूर्व सैनिक व वीर नारियों को किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर उनसे संपर्क कर सकते हैं। संगठन के सचिव बलवान सिंह रावत ने कहा कि संगठन वीर नारियों व पूर्व सैनिकों के हितों के लिए कार्य कर रहा है। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष गजराज सिंह नेगी, सोहन सिंह गुसाईं, रितेश उनियाल, चंद्रशेखर चौहान, सोहन सिंह गुसाईं, कमलेश्वर प्रसाद, बलवान सिंह रावत, गोपाल सिंह नेगी, विजय ध्यानी आदि मौजूद रहे।

दुराचार के दोषी को हुई दस साल की सजा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला एवं सत्र न्यायाधीश पौड़ी की अदालत ने दुराचार के आरोपी को दस साल की सश्रम कारवास की सजा सुनाई है। साथ ही दो हजार का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत ने पीड़िता को राज्य सरकार से दो लाख की प्रतिकर के तौर पर देने के भी आदेश दिए हैं। मामले में अभियोजन की ओर से कुल 8 गवाह प्रस्तुत किए गए थे। जिला अशासकीय अधिवक्ता प्रदीप भट्ट ने बताया कि 18 दिसंबर 2022 की रात को आरोपी उस वक्त पीड़िता के घर का दरवाजा खोलकर घुसा जब वह सो रही थी। आरोपी ने पीड़िता के साथ जबरदस्ती की। उसने शोर मचाया तो उसका मुंह दबा दिया और उसके हाथों को दबाकर पकड़कर उसके साथ जबरन दुराचार किया। जिस पर पीड़िता बहुत डर गई। पति भी काम पर घर से बाहर गए हुए थे। रात होने की वजह से वह कहीं बाहर नहीं गई। सुबह उसके पति जब घर पर आए तब उसने सारी बात उन्हें बताई। पीड़िता को आरोपी से जान माल का खतरा भी है। बताया कि पीड़िता अपने पति के साथ राजस्व पुलिस चौकी पर गई और उसने आरोपी के विरुद्ध तहरीर दी। जिसमें उसने अपने साथ हुई इस घटना के बारे में बताया। तहरीर के आधार पर राजस्व उपनिरीक्षक अमित नेगी ने 19 दिसंबर को पट्टी लंगूरवल्ला में आरोपी के विरुद्ध आईपीसी की धारा 376 के तहत मुकदमा दर्ज किया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पीड़िता के मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज किए गए। साथ ही पीड़िता का कोटद्वार में मेडिकल भी करवाया गया। आरोपी को 28 दिसंबर को गिफ्तार किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश पौड़ी धर्म सिंह की अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी को दुराचार का दोषी पाया। कोर्ट ने दोषी को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई साथ ही उस पर दो हजार का अर्थदंड भी लगाया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अर्थदंड न देने की दशा में 1 महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। अदालत ने राज्य सरकार भी पीड़िता को 2 लाख प्रतिकर देने के आदेश दिए।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 4947/18ए0सी0 दिनांकः- 02/12/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि0 15/12/2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 09/12/2025 से 14/12/2025 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 15/12/2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक निम्न कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :-

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	डिपोजिट मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकास खण्ड दुगड्डा के अन्तर्गत कोटद्वार स्थित न्यायालय भवन में शौचालय की मरम्मत आदि का कार्य।	22500.00	1000.00+ 18 प्रतिशत जी0एस0टी0	45 दिन	02 माह	भवन कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 16/12/2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा के साथ वांछित धरोहर धनराशि एवं रू0 100.00 का स्टाम्प पेपर संलग्न करना अनिवार्य है। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

(इं0 विवेक कुमार सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)
(1437/53)

संक्षिप्त समाचार

जिले में छः अफसर व 49 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबलों के ट्रांसफर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने तीन साल से एक ही स्थान पर तैनात अधिकारी-कर्मचारियों का तबादला किया है। एसएसपी ने जिले के छः पुलिस अफसरों, 49 हेड कांस्टेबल व कांस्टेबलों के दायित्वों में फेरबदल किया है। एसएसपी ने तबादला आदेश जारी कर तत्काल नवीन तैनाती स्थल पर ज्वाइन करने के निर्देश दिए है। एसएसपी सर्वेश पंवार ने तबादले आदेश जारी किए हैं।

एसएसपी सर्वेश पंवार ने बताया कि थानाध्यक्ष लक्ष्मणझूला संतोष पैथवाल को कोतवाली श्रीनगर का एसएसआई बनाया गया है। श्रीनगर कोतवाली के एसएसआई भुवन चंद्र पुजारी को थानाध्यक्ष लक्ष्मणझूला की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कोतवाली कोटद्वार में सेवारत एसआई विनोद चरराना को प्रभारी रिपोर्टिंग बाजार चौकी कोटद्वार का दायित्व सौंपा गया है। प्रभारी रिपोर्टिंग बाजार चौकी कोटद्वार प्रमोद कुमार को थाना लक्ष्मणझूला, कोतवाली कोटद्वार में सेवारत एएसआई हरीश चंद्र को कोतवाली लैंसडौन, कोतवाली लैंसडौन में सेवारत एएसआई सिद्धार्थ सिंह को कोतवाली कोटद्वार स्थानांतरित किया गया है। एसएसपी ने बताया कि जिले में कुल 49 हेड कांस्टेबल व कांस्टेबलों के दायित्वों में फेरबदल किया गया है। इनमें 9 कोतवाली कोटद्वार, 7 थाना धुमाकोट, 5 थाना लक्ष्मणझूला, 6-6 कोतवाली पौड़ी व श्रीनगर, 4 थाना लक्ष्मणझूला और शेष थाना क्षेत्रों से 3-3 कांस्टेबल व हेडकांस्टेल शामिल हैं।

भालू और गुलदार से सुरक्षा के लिए वन कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

रुद्रप्रयाग। जनपद में आए दिन हो रहे भालू एवं गुलदार के हमलों को देखते हुए वन विभाग ने वन कर्मियों को मानव वन्य जीव संघर्ष से सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया। वन कर्मियों को अत्याधुनिक उपकरणों की जानकारी दी गई। उप प्रभागीय वनाधिकारी देवेंद्र पुंडीर एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी दिवाकर पंत द्वारा फारेस्टर एवं फारेस्ट गार्ड एवं क्यूआरटी के सदस्यों को विशेष प्रशिण दिया गया। खांकरा रेंज के डुंगरीपंथ कार्यालय में दिए प्रशिक्षण में वन कर्मियों को इन उपकरणों के संचालन की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि रुद्रप्रयाग वन प्रभाग में गुलदार व भालू की संवेदनशीलता बढने के साथ साथ मानव घायल व पशुक्षति की घटनाएं सामने आ रही है जिसके लिए स्टाफ को विशेष और अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों से समस्या पर लगाम लगाने के तरीके बताए गए।

राइंका कांडई दशज्यूला के भवन निर्माण को मिले 175.49 लाख

रुद्रप्रयाग। राजकीय इंटर कॉलेज कांडई दशज्यूला के विद्यालय भवन निर्माण के लिए 175.49 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति पर विधायक आशा नौटियाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत का आभार व्यक्त किया। विधायक नौटियाल ने कहा कि स्थानीय जनता द्वारा लंबे समय से विद्यालय भवन के निर्माण की मांग की जा रही थी जिसके लिए वह लगातार प्रयास कर रही थी। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति न केवल विद्यार्थियों के बेहतर शैक्षिक वातावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह क्षेत्र के समग्र शैक्षणिक विकास में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कहा कि छात्रो को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए संसाधनों का विकास करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 175.49 लाख रुपये की लागत से भवन निर्माण का कार्य जल्द प्रारम्भ किया जाएगा। कहा कि हमारी सरकार शिक्षा सुधार एवं छात्र कल्याण के लिए पूर्ण समर्पित है।

बस्तीवासियों की समस्याओं का हो समाधान

देहरादून। बस्ती बचाओ आंदोलन के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मेयर सौरभ थपलियाल से मुलाकात की। संयोजक अनंत आकाश ने ज्ञापन सौंपकर मांग उठाई कि काठबंगला बस्तीवासियों के साथ बैठक आयोजित कर संबंधित विभाग उनकी समस्याओं का समाधान करें।

उन्होंने कहा कि जिन फ्लैटों में बस्ती के लोगों को शिफ्ट किया जाना है। वह काफी छोटे हैं। फ्लैट की संख्या 116 और प्रभावित परिवारों की संख्या दो सौ के करीब है। उन्होंने मांग की है कि प्रभावितों के लिए उचित मुआवजे का प्रावधान किया जाए। इस दौरान सीटू के महामंत्री लेखराज, सोनू कुमार, हरीश कुमार, श्वेता, जितेंद्र, मोनू, आयुष, हेमलता, हेमेंद्र, शकिल, सुरेश, प्रभा आदि मौजूद रहे।

दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा

विश्व दिव्यांग दिवस पर पांच दिव्यांगजनों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विश्व दिव्यांग दिवस पर बुधवार को समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में जिला अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी व अन्य अतिथियों ने दक्ष 5 दिव्यांगजनों को सम्मानित किया। इस मौके पर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नाजिश कलीम ने कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनके अधिकारों की रक्षा तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना प्राधिकरण की जिम्मेदारी है।

दक्ष दिव्यांग कर्मचारियों और स्वरोजगारियों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए चयनित 2 दक्ष दिव्यांग कर्मचारियों व 3 दक्ष दिव्यांग स्वरोजगारियों को 8-8 हजार रुपये की राशि, प्रमाण पत्र सहित प्रशस्ति पत्र व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वहीं 10 दिव्यांगजनों को कृत्रिम उपकरण दिए गए। जबकि 9 दिव्यांग प्रमाण पत्र भी इस दौरान जारी हुए। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज की महत्वपूर्ण शक्ति हैं और उनकी क्षमताएं किसी भी प्रकार से कम नहीं आंकी जानी चाहिए। कहा कि राज्य व केंद्र सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण, पुनर्वास, प्रशिक्षण, रोजगार, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित जो योजनाएं संचालित कर रही हैं, वह न केवल उनकी प्रतिभा और दक्षता को आगे बढ़ाने में सहायक हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की ओर भी अग्रसर कर रही हैं। आवश्यक उपकरण, तकनीकी सहायता, शिक्षण-प्रशिक्षण सुविधाएं और आर्थिक सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिवमोहन शुक्ला, नगर पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी, अपर जिला समाज कल्याण अधिकारी अनिल कुमार सेमवाल, सहायक समाज कल्याण अधिकारी पौड़ी राहुल राणा, खिर्सू पंकज मैंदोली सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

7 दिसम्बर को सेक्टर 30 चंडीगढ़ में होगी नंदा कथा

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जन कल्याण मंच चण्डीगढ़ उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति और विरासत को समर्पित एक प्रमुख सामाजिक संस्था द्वारा 7 दिसंबर को बाबा मक्खन शाह लुबाना ऑडिटोरियम सेक्टर 30 चंडीगढ़ में नंदा की कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में उत्तराखंड के उत्सव ग्रुप के निदेशक राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ राकेश भट्ट एवं उनकी टीम अपनी प्रस्तुति देगी। रुद्रप्रयाग जन कल्याण मंच के महासचिव सुभाष चंद्र भट्ट ने बताया कि यह कार्यक्रम उत्तराखंड सरकार द्वारा 2026 में होने वाली नंदा देवी राज जात यात्रा के बारे में जागरूकता फैलाने और हमारी प्राचीन संस्कृति को समर्थन देने की एक बड़ी पहल है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप सिंह रावत एमडी दीक्षा प्रॉपर्टी देहरादून, महासचिव संजीव राणा भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़, समाजसेवी प्रेम सिंह बिष्ट एवं विनोद प्रसाद भट्ट, निदेशक पीएस बिष्ट प्रतिभाग करेंगे।

राशन कार्ड धारक 15 दिसंबर तक कराएं ई-केवाईसी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले में राशन कार्ड धारक अब ई-केवाईसी 15 दिसंबर तक करा सकते है। पहले यह तिथि बीते नवंबर माह तक ही थी। इस तिथि तक पौड़ी जिले में करीब 57 फीसदी राशन कार्ड यूनिटों की ई-केवाईसी हो पाई थी। शासन ने इस तिथि को बढ़ाकर 15 दिसंबर तक कर दिया है। डीएसओ ने सभी राशन कार्ड धारकों से भी अपील की है कि वह अपने राशन कार्ड में अंकित सभी सदस्यों की ई-केवाईसी इस तिथि तक संबंधित या नजदीकी सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेता की दुकान पर जाकर बायोमेट्रिक फिंगर प्रिंट के माध्यम से करवा दे। निर्धारित तिथि के बाद राशन कार्ड बंद होने की समस्या आ सकती है।

पौड़ी के जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि शासन के निर्देशों के बाद जिले के सभी राशन कार्ड धारकों के लिए ई-केवाईसी शुरू की गई है। इस दौरान राशन कार्ड में जितनी भी यूनिट है उनकी ई- केवाईसी होनी है। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि निर्धारित नवंबर महीने तक जिले में करीब 57 फीसदी यूनिटों की केवाईसी हुई है और अभी भी ई-केवाईसी होनी रह गई है।

जिले में विभिन्न योजनाओं के तहत जारी किए गए राशन कार्ड की साढ़े 5 लाख यूनिटें हैं। इसमें से करीब साढ़े 3 लाख यूनिटों की ई-केवाईसी हो पाई है। शेष के लिए अब 15 दिसंबर तक की तिथि है। जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा कि निर्धारित तिथि तक ई-केवाईसी न कराने पर राशन कार्ड निष्क्रिय हो सकते हैं, जिससे कार्डधारकों को भविष्य में सस्ते गल्ले से खाद्यान्न लेने में दिक्कत होगी।

उन्होंने सभी पात्र उपभोक्ताओं से समय पर ई-केवाईसी कराकर योजनाओं का सुचारू लाभ लेने की अपील की है।

अफसर बिटिया कार्यक्रम में मेधावी बालिकाओं को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बाल विकास परियोजना कल्जीखाल के तत्वावधान में राजकीय इंटर कॉलेज मुंडनेश्वर में अफसर बिटिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि बेटियां परिवार और राष्ट्र की शक्ति हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता बढ़ाना है।

कार्यक्रम में बालिकाओं को उच्च शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सुरक्षित भविष्य के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की गई। इस दौरान मेरे सपनों की उड़ान विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा सभी बालक-बालिकाओं को प्रोत्साहन स्वरूप कॉपी एवं पेन का वितरण किया गया। इस मौके पर में सीडीपीओ सुषमा रावत, सुपरवाइजर सुनीता तोपवाल, माया राणा, कनिष्ठ सहायक महाराज सिंह रावत, अमृता रावत, डा. ऐश्वर्या आनंद आदि मौजूद रहे।

विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ शुरू हुआ अनसूया मेला

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : संतान दायिनी शक्ति शिरोमणि माता अनसूया का दो दिवसीय मेला विधि विधान व पूजा-पाठ के साथ बुधवार को शुरू हो गया। जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट व बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने पूजा अर्चना कर मेले का शुभारंभ किया। दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर क्षेत्र की सभी देवियों डोलियां भी सती मां अनसूया के दरबार पहुंची। मां अनसूया मंदिर में दत्तात्रेय जयंती पर सम्पूर्ण भारत से हर वर्ष निसंतान दंपत्ति और भक्तजन अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए पहुंचते है। जिला प्रशासन ने मेले के दौरान पूरे पैदल मार्ग पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम किए है। विदित हो कि पौराणिक काल से दत्तात्रेय जयंती पर हर वर्ष सती माता अनसूया में दो दिवसीय मेला आयोजित किया जाता हैं। मॉ अनुसूया मेले में निसंतान दंपत्ति और भक्तजन अपनी

मनोकामना पूर्ण करने के लिए पहुंचते है। मान्यता है कि मां के दर से कोई खाली हाथ नहीं लौटता। मां सबकी झोली भर्ती है। इसलिए निसंतान दंपत्ति पूरी रात जागकर मां की पूजा अर्चना कर करते है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर में जप और यज्ञ करने वालों को संतान की प्राप्ति होती है। इसी मान्यताओं के अनुसार, इसी स्थान पर माता अनुसूया ने अपने तप के बल पर त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु और शंकर) को शिशु रूप में परिवर्तित कर पालने में खेलने पर मजबूर कर दिया था।

बंड विकास औद्योगिक एवं किसान मेला 20 दिसंबर से, तैयारियां शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय सभागार में बंड विकास औद्योगिक एवं किसान मेले के आयोजन को लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने मेले के सफल संचालन हेतु सभी विभागों को परस्पर समन्वय बनाकर आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मेले को सफल एवं आकर्षक बनाने की बात कही।

जिलाधिकारी ने बंड विकास औद्योगिक एवं किसान मेले की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को विभागीय स्टाल लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने वाहन पार्किंग की सुव्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, चिकित्सकीय सुविधाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सुचारू संचालन हेतु समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। बंड विकास संगठन पीपलकोटी द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 20 से 26 दिसंबर 2025 तक पीपलकोटी में बंड विकास, औद्योगिक, पर्यटन एवं किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में औद्योगिक, पर्यटन व कृषि से जुड़े स्टॉलों के साथ खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, वाद-विवाद, मार्च पास्ट तथा छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न ज्ञानवर्धक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह मेला क्षेत्र की औद्योगिक, पर्यटन एवं कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करता है। अतः सभी विभाग मेले की तैयारी समयबद्ध रूप से पूर्ण करें ताकि मेला सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सके। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनन्द सिंह भाकुनी, जिला विकास अधिकारी के के पंत, मुख्य शिक्षाधिकारी श्रीकांत पुरोहित सहित बण्ड विकास संगठन से आये संरक्षक शम्भू प्रसाद सती, अतुल शाह, अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी, महामंत्री हरीश पुरोहित एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

रुद्रप्रयाग के दो शिक्षकों ने उत्कृष्ट खेल दिखाकर जीते मेडल

रुद्रप्रयाग। देवभूमि उत्तराखंड मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जनपद रुद्रप्रयाग के जिलाध्यक्ष अजय प्रकाश चौधरी ने 45 से अधिक आयुवर्ग में 500 मीटर वॉल रेस में रजत पदक हासिल किया। जबकि चक्का फेंक और हैमर थ्रो में कांस्य पदक जीतने में कामयाबी पाई। उन्होंने इस सफलता से जनपद का मान बढ़ाया है। अजय प्रकाश चौधरी जनपद के विकास खंड जखोली के राइंका जवाड़ी में व्यायाम शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वहीं इसी जनपद में 45 वर्ष से अधिक आयुवर्ग में उभरते हुए शिक्षक मस्तान सिंह पुरसोड़ा ने भी 800 मीटर दौड में सिल्वर मैडल प्राप्त किया जबकि 400 मीटर और 1500 मीटर दौड में कांस्य पदक प्राप्त किया। उन्होंने भी जनपद का गौरव बढ़ाया है। मस्तान सिंह अटल उत्कृष्ट राइंका अगस्त्यमुनि में प्रवक्ता अंगेजी के रूप में कार्यरत है। यह प्रतियोगिताएं महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून में संपन्न हुई। शिक्षक अजय चौधरी ने जनपद रुद्रप्रयाग के सचिव पद पर राजेश बिष्ट को नामित कराया। इस मौके पर देवभूमि उत्तराखंड मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष एके सूद, उपाध्यक्ष जयमल सिंह नेगी, प्रांतीय महासचिव सतीश चन्द्र चौहान, देहरादून के जिलाध्यक्ष एचएस नेगी, सलाहकार डा. डीएस नेगी, महासचिव जीए राणा आदि मौजूद थे।

नाबालिग लड़की के साथ विवाह को प्रशासन ने रुकवाया

रुद्रप्रयाग। जखोली ब्लॉक के धारकोट गांव में प्रेम प्रसंग के चलते 19 वर्षीय बालक की विवाह की सूचना मिलते ही वन स्टॉप सेंटर और चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने गांव में जाकर विवाह रुकवाया।

परिवार जनों को जागरूक किया गया कि छोटी उम्र में शादी करना गैरकानूनी है। बुधवार को गोपनीय सूचना के आधार पर जखोली ब्लॉक के धारकोट ग्रामसभा निवासी 19 वर्षीय बालक द्वारा अगस्त्यमुनि ब्लॉक के नजदीकी ग्राम सभा की 22 वर्षीय लड़की से प्रेम संबंधों के चलते विवाह होने की जानकारी प्राप्त होते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार मिश्र के निर्देश पर वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक रंजना गैरोला भट्ट, बाल संरक्षण अधिकारी अरविंद सिंह, चाइल्ड हेल्पलाइन के समन्वयक सुरेंद्र रावत, ग्राम प्रधान, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री तथा पुलिस कांस्टेबल विकेश सिंह बालिका के घर पहुंचे जहां बालिका के परिजनों से बात बात की गई। लड़की के घर पर लड़के के परिजनों को भी बुलाया गया जबकि दोनों पक्षों को सख्त हिदायत दी कि जब तक बालक की उम्र 21 नहीं हो जाती है तब तक विवाह नहीं हो सकता है। नाबालिग बालक, लड़की तथा दोनों के परिजनों को बताया गया कि यदि उनके द्वारा जबरदस्ती यह कार्य किया जाता है तो वह कानूनी शिकंजे में फंस सकते हैं। उन्हें इस अपराध के लिए दो साल की सजा और 1 लाख तक का जुर्माना, दोनों से दंडित किया जा सकता है। उन्हें यूसीसी की जानकारी भी प्रदान की गई। जिसमें बाल विवाह करवाने पर सख्त दंड का प्रावधान है।

14 दिसंबर को दिल्ली में रैली में उत्तराखंड से 25 हजार कांग्रेसी जाएंगे

देहरादून। पछवादून कांग्रेस अध्यक्ष संजय किशोर व रैली संयोजक आलेंद्र शर्मा ने कहा कि 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली रैली में पूरे उत्तराखंड से 25 हजार से अधिक कार्यकर्ता दिल्ली जाएंगे। पछवादून कांग्रेस अध्यक्ष संजय किशोर व संयोजक मंडल के सदस्य आलेंद्र शर्मा ने बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

उन्होंने पत्रकार वार्ता कर कहा कि 14 दिसंबर को दिल्ली में राष्ट्रीय कांग्रेस के तत्वाधान में आयोजित चुनाव एवं भाजपा के वोट चोरी के विरोध में रामलीला मैदान में रैली होगी। रैली का आयोजन राहुल गांधी व राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में पछवादून से कार्यकर्ता शामिल होंगे। कहा कि आगामी उत्तराखंड में चुनाव 2027 को लेकर कांग्रेस में बड़ा बदलाव किया गया है। प्रदेश कार्यकारणी का विस्तार किया जायेगा व जनता की समस्याओं को लेकर लड़ाई लड़ी जाएगी। 2027 में कांग्रेस की सरकार बनेगी व जनता को मंहगाई व भाजपा की जन विरोधी नीति से निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि बारबार पेपर लीक हो रहे है। महंगाई व भ्रष्टाचार चरम पर है। रैली के संयोजक आलेंद्र शर्मा ने कहा कि 14 दिसंबर की रैली में लाखों लोग शामिल हो रहे हैं।कहा कि जनता सतर्क रहे कि उनका वोट न कटे वहीं एसआईआर के माध्यम से वोट काटे जाएंगे इस पर नजर रखें।

कैंट विधानसभा में विधायक निधि से निर्माण कार्य का लोकार्पण

देहरादून। कैंट विधायक सविता कपूर ने बुधवार को वार्ड 37 बल्लूपुर के दुर्गा विहार में विधायक निधि से निर्मित नाली निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सविता कपूर ने बताया कि पूर्व में नाली की हालत अत्यंत खराब थी जिसकी वजह से जल भराव भी होता था।

क्षेत्रवासियों ने कुछ समय पूर्व उन्हें ये समस्या बताई थी। जिस पर उन्होंने अधिकारियों को बुलाकर समाधान के निर्देश दिए थे। विधायक ने बताया कि नाली बनने से सड़क भी पहले के मुकाबले चौड़ी हो गई है। विधायक निधि से क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग, एमडीडीए एवं जल निगम इंदिरा नगर, इंजीनियर एनक्लेव एवं अन्य स्थानों पर भी विकास कार्य गतिमान है।

डीएम जैन ने जवाड़ी बाईपास पर भू–धंसाव और सिंकिंग जोन का किया निरीक्षण

रुद्रप्रयाग(बीते बरसाती सीजन में जवाड़ी बाईपास पर हुए भू–धंसाव और सिंकिंग जोन का जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क के क्षतिग्रस्त की विस्तृत रिपोट ली। निरीक्षण में टीएचडीसी की विशेषज्ञ सर्वे टीम भी मौजूद थी। टीम ने बताया कि बाईपास पर भू–धंसाव प्रभावित हिस्सों, संभावित सिंकिंग जोन, रॉकी स्ट्रक्चर, पुरानी जलधाराओं, कटाव क्षेत्रों तथा रॉक एनालिसिस बिंदुओं का विस्तृत परीक्षण किया गया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने कहा कि जवाड़ी बाईपास जनपद रुद्रप्रयाग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। केदारनाथ यात्रा सीजन के समय ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु रखने में अहम भूमिका निभाता है, किंतु इस वर्ष की आपदा के कारण बाईपास बड़ी क्षति से प्रभावित हुआ है। करीब 500 मीटर लंबा क्षेत्र भू–धंसाव, भू–स्खलन और सिंकिंग के जोखिम की जद में आया है, जिससे संपूर्ण सड़क मार्ग पर तकनीकी दृष्टि से अध्ययन कर उपयुक्त प्रोटेक्शन कार्य किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कुछ पुरानी जलधाराएं हैं जो भूमि को अंदर से खोखला कर सिंकिंग जैसी स्थिति पैदा करती हैं। जबकि अलकनंदा नदी के किनारे पहाड़ी के निचले हिस्से में निरंतर बारिश में भू–कटाव बढ़ रहा है। इन सभी भू–वैज्ञानिक परिस्थितियों को देखते हुए सड़क का पुनर्निर्माण महज सामान्य मरम्मत से संभव नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक विश्लेषण और रॉक एनालिसिस आधारित प्रोटेक्शन कार्य किए जाएंगे।

स्थानीय उत्पादों को बाजार तक ले जाने के लिए प्रभावी रणनीति बनाएं : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को जिलाधिकारी सभागार में ग्राम्य विकास, रीप तथा एनआरएलएम के तहत संचालित केन्द्र एवं राज्य क्षेत्र की योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि अधिकाधिक ग्रामीण परिवारों को आजीविका एवं रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाए। उन्होंने प्रत्येक परियोजना का ग्राउंड लेवल पर प्लान तैयार कर स्थानीय उत्पादों को बाजार तक ले जाने के लिए प्रभावी रणनीति बनाये जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त मार्गों के सुधारीकरण, क्षतिग्रस्त गौशालाओं के पुनर्निर्माण कार्य एवं अन्य निर्माण कार्य

मनरेगा के माध्यम से प्राथमिकता पर कराए जाएं, ताकि स्थानीय लोगों को निरंतर रोजगार मिल सके और क्षेत्रीय विकास को भी गति मिले। जिलाधिकारी ने परियोजना प्रबंधक रीप को निर्देशित किया कि जनपद में बहुहितधारक कार्यशालाओं का आयोजन करते हुए ग्रामोत्थान परियोजना के अंतर्गत गांवों में उद्यम स्थापना, उत्पादों की ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग को सुदृढ़ किया जाए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को एनआरएलएम के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों एवं सीएलएफ द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता सुधार, पैकेजिंग एवं मार्केट लिंकेज बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सेल्फ हेल्प ग्रुप (एसएचजी) को मजबूत करना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि ग्रामीण महिलाओं की आजीविका में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ विभिन्न कन्वर्जेन्स योजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में जिला परियोजना प्रबंधक शशिकांत यादव, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, जिला विकास अधिकारी केके पंत, जिला परियोजना प्रबंधक ग्रामोत्थान शशिकांत यादव, सहायक अर्थ एवं संख्या अधिकारी विनय जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लोको पायलट का किलोमीटर भत्ता बढ़ाया जाए

देहरादून। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन से जुड़े लोको पायलट का 48 घंटे का उपवास बुधवार को भी जारी है। उन्होंने जल्द ही मांगों का निराकरण करने की मांग की है। रेलवे स्टेशन के लोको लॉबी में चल रहे उपवास का बुधवारा को दूसरा दिन रहा। इस दौरान हुई सभा में ब्रांच सचिव विनोद कुमार ने कहा कि लोक पायलट कई सालों से किलोमीटर भत्ता बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक यह भत्ता नहीं बढ़ाया गया। शाखा अध्यक्ष अतेंद्र पाल ने बताया कि लोको पायलट इनकम टैक्स में भी छूट की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है, जिस कारण उनको मजबूरन आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। चेताया कि यदि जल्द मांगें नहीं मानी गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com